हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, शुक्रवार, 28 फरवरी 2025 | अंक 137/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

तेलंगाना सुरंग हादसा

फंसे हुए लोगों तक पहुंचने की कोशिश जारी, बचाव अभियान तेज

नगरकुरनूल (तेलंगाना).

तेलंगाना के नगरकुरनूल में श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) के एक निर्माणाधीन खंड के आंशिक रूप से ढहने के बाद सुरंग में फंसे आठ व्यक्तियों को बचाने में जुटी टीम ने टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) के उस हिस्से और अन्य अवरोधकों को काटना शुरू कर दिया है जो फंसे हुए व्यक्तियों की मौजूदगी की आशंका वाले स्थान तक पहुंचने में बाधक बन रहे थे।

नगरकुरनूल के एसपी वैभव गायकवाड़ ने कहा कि सुरंग में 'कन्वेयर बेल्ट' के क्षतिग्रस्त हिस्से की दिन के दौरान मरम्मत हो जाने की संभावना है जिससे मलबा हटाने में मदद मिलेगी। 22 फरवरी को ढहा था सुरंग का हिस्सा अधिकारी ने कहा, ''कंपनी ने मजदूरों के लिए आवासीय शिविर भी बनाए हैं।

शुरुआती घबराहट होगी। हो सकता है कि कुछ लोग वापस जाना चाहें। लेकिन हमारे पास मजदूरों के सामूहिक रूप से काम छोड़ने की कोई खबर नहीं है।'' एसएलबीसी सुरंग का एक हिस्सा 22 फरवरी को ढह जाने के बाद परियोजना पर काम कर रहे आठ कर्मचारी सुरंग के अंदर फंस गए थे। इस बीच, पूर्व मंत्री और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायक टी.हरीश राव आज अपने पार्टी नेताओं के साथ एसएलबीसी परियोजना का दौरा करेंगे।

एसएलबीसी परियोजना का ठेका हासिल करने वाली कंपनी जेपी ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष जयप्रकाश गौड़ ने बुधवार को घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा था कि मुश्किल काम के दौरान दुर्घटनाएं होने की आशंका रहती हैं। जेपी ग्रुप की प्रमुख कंपनी 'जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड' को एसएलबीसी की सुरंग खोदने का काम दिया गया था। गौड़ ने कहा कि बचाव टीम यह सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश कर रही हैं कि फंसे हुए लोग बाहर आ सकें। फंसे हुए आठ लोगों में से दो इंजीनियर और चार मजदूर 'जयप्रकाश एसोसिएट्स' के लिए काम करते हैं। फंसे हुए लोगों की पहचान मनोज कुमार (उत्तर प्रदेश), श्री निवास (उत्तर प्रदेश), सनी सिंह (जम्मू कश्मीर), गुरप्रीत सिंह (पंजाब) और संदीप साहू, जेगता जेस, संतोष साहू और अनुज साहू (सभी झारखंड के निवासी) के रूप में हुई है। इन आठ में से दो इंजीनियर, दो ऑपरेटर और शेष चार मजदूर हैं। परियोजना पर 800 लोग कर रहे काम, एक सवाल पर एसपी ने कहा कि वह इस बात का जवाब नहीं दे सकते कि फंसे हुए लोगों का आज पता चल पाएगा या नहीं।

सूत्रों के अनुसार, सुरंग के काम में शामिल कुछ मजदूरों ने डर की वजह से जगह छोड़ने की बात कही है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि एसएलबीसी परियोजना पर 800 लोग काम कर रहे हैं, जिनमें से 300 स्थानीय हैं जबकि बाकी झारखंड, ओडिशा और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों से हैं। दुर्घटना के बाद मजदूरों के घबराने और उनके नौकरी छोड़ने की योजना के संबंध में मीडिया में आई खबरों पर अधिकारी ने कहा कि मजदूरों में शुरुआती आशंका होंगी।

चलरही लापता आठ लोगों को बचाने की कोशिश

अधिकारी से जब पूछा गया कि क्या गैस कटर ने काम करना शुरू कर दिया है, तो उन्होंने बताया, ''हां, यह पहले ही हो चुका है (गैस कटर वाली मशीनें अंदर चली गई हैं)। (यहां तक कि) रात के समय भी उन्होंने कुछ कटाई की। हां, यह कल रात से ही शुरू हो चुका है।'' तेलंगाना के मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने बुधवार को कहा कि अंदर लगी टीबीएम को गैस कटर का उपयोग करके टुकड़ों में काटा जाएगा और निकाला जाएगा। इसके बाद सेना, नौसेना, 'रैट माइनर्स' (पर्वतीय क्षेत्रों में हाथ से खुदाई करने में महारत रखने वाले विशेषज्ञ व्यक्तियों) और एनडीआरएफ की टीम अपनी सुरक्षा से समझौता किए बिना, लापता आठ लोगों को बचाने के लिए एक और गंभीर प्रयास करेंगी।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने की संगम घाट की सफाई

डिप्टी सीएम समेत कई मंत्री रहे मौजूद

प्रयागराज.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार सुबह महाकुम्भ 2025 की औपचारिक पूर्णाहुति के लिए प्रयागराज पहुंचे। इस दौरान उन्होंने महाकुम्भ नगर के अरैल घाट पर सफाईकर्मियों के साथ मिलकर घाट की सफाई की और गंगा तट पर स्नानार्थियों द्वारा छोड़े गए वस्त्र आदि को साफ करने में अपने मंत्रियों के साथ श्रमदान किया। जल में मौजूद छोड़े गए वस्त्रों को निकालकर महाकुम्भ के उपरांत पूरे मेला क्षेत्र की स्वच्छता के लिए अभियान का शुभारंभ किया। सफाई कार्य के बाद मुख्यमंत्री अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ फ्लोटिंग जेटी के जरिए संगम के लिए रवाना हुए।

इस दौरान उन्होंने जेटी से साइबेरियन पक्षियों को दाना खिलाया। संगम पहुंचकर सीएम योगी ने मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य रूप में मौजूद मां सरस्वती का विधिवत पूजन किया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उन्होंने मंत्रिगणों के साथ मां गंगा का दुग्धाभिषेक कर विधि-विधान से मां की आरती उतारी और लोक कल्याण की कामना की। सीएम योगी ने संगम स्नान को आए श्रद्धालुओं का भी अभिवादन किया। इस अवसर पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, राकेश सचान, नंद गोपाल गुप्ता नंदी, अनिल राजभर, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, डीजीपी प्रशांत कुमार और प्रमुख सचिव गृह एवं सूचना संजय प्रसाद सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

महाकुंभ मेले से जुड़े लोगों को सीएम योगी करेंगे सम्मानित

मुख्यमंत्री आज दिनभर महाकुम्भ नगर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। वे महाकुम्भ को ऐतिहासिक, दिव्य, भव्य, स्वच्छ, सुरक्षित और डिजिटल बनाने में योगदान देने वाले कर्मचारियों और संस्थाओं से मुलाकात करेंगे और उन्हें सम्मानित करेंगे। शाम को सीएम योगी पुलिसकर्मियों से भी संवाद करेंगे और सुरक्षित महाकुम्भ के लिए उनका आभार प्रकट करेंगे। इसके अलावा, कुम्भ की व्यवस्था में लगे अधिकारियों और मेला प्रशासन से जुड़े लोगों के साथ भी उनकी बैठक प्रस्तावित है।

सेना के वाहन पर गोलीबारी के बाद राजौरी में सर्च ऑपरेशन जारी

ड्रोन और सर्च डॉग का हो रहा इस्तेमाल

राजौरी. जम्मू-कश्मीर के राजौरी में सेना के वाहन पर गोलीबारी के बाद सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया है। सुरक्षा बलों ने गुरुवार को राजौरी जिले के सुंदरबनी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास नए इलाकों में घेराबंदी और तलाशी अभियान बढ़ा दिया है। इस सर्च ऑपरेशन का उद्देश्य पिछले दिन सेना के वाहन पर गोलीबारी करने वाले आतंकवादियों को खदेड़ना है।

अधिकारियों ने बताया कि कठुआ जिले के हीरानगर सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास दयालचक में भी एक नया अभियान शुरू किया गया, जब सुरक्षा बलों ने एक संदिग्ध फ्रीक्वेंसी वायरलेस सेट को रोका। सुंदरबनी सेक्टर के फाल गांव के पास एक जंगल में छिपे संदिग्ध आतंकवादियों ने बुधवार को सेना के एक वाहन पर गोलीबारी की, जिसके बाद सेना और पुलिस ने बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों ने बताया कि फाल में तलाशी अभियान जारी है और छिपे हुए आतंकवादियों को खदेड़ने के लिए आज सुबह इसे नए इलाकों तक बढ़ा दिया गया। उन्होंने बताया कि अभी तक आतंकवादियों से कोई संपर्क नहीं हो पाया है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बल घने जंगलों में आतंकवादियों की तलाश के लिए नवीनतम तकनीक, ड्रोन और खोजी कुत्तों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

हीरानगर में संयुक्त बैठक

सुरक्षा बलों द्वारा एक संदिग्ध फ्रीक्वेंसी वायरलेस सेट को इंटरसेप्ट किए जाने के बाद हीरानगर सेक्टर के दयालचक में गुराह बलदरा और आसपास के गांवों में आतंकवाद विरोधी अभियान भी शुरू किया गया। वायरलेस इंटरसेप्ट होने के बाद कठुआ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोभित सक्सेना और सेना और सीमा सुरक्षा बल के वरिष्ठ अधिकारियों ने हीरानगर पुलिस स्टेशन में एक संयुक्त बैठक की।

हिंदी तो मुखौटा है, संस्कृत असली चेहरा: सीएम एमके स्टालिन

बेंगलुरू.

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने एक बार फिर भाषा विवाद पर अपनी राय रखी है और केंद्र सरकार पर दक्षिण भारतीय राज्यों में हिंदी थोपने का आरोप लगाया है। गुरुवार को उन्होंने एक बार फिर कहा कि राज्य भाषा को थोपने की अनुमति नहीं देगा। केंद्र द्वारा कथित हिंदी थोपे जाने के खिलाफ आवाज उठाते हुए उन्होंने तमिल और इसकी संस्कृति की रक्षा करने की कसम खाई। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को लिखे पत्र में कहा, "हिंदी थोपे जाने का विरोध करेंगे। हिंदी मुखौटा है, संस्कृत छिपा हुआ चेहरा है।" सत्तारूढ़ डीएमके राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के हिस्से के रूप में 3-भाषा फॉर्मूले के माध्यम से केंद्र द्वारा हिंदी थोपे जाने का आरोप लगा रही है, हालांकि केंद्र सरकार ने इस आरोप का खंडन किया है। पत्र में स्टालिन ने दावा किया कि बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में बोली जाने वाली कई उत्तर भारतीय भाषाएं जैसे मैथिली, ब्रजभाषा, बुंदेलखंडी और अवधी "आधिपत्यशाली हिंदी द्वारा नष्ट कर दी गई हैं।"

"आधिपत्यशाली हिंदी-संस्कृत भाषाओं के आक्रमण से 25 से अधिक उत्तर भारतीय मूल भाषाएं नष्ट हो गई हैं। सत्तारूढ़ द्रमुक प्रमुख ने कहा कि सदियों पुराने द्रविड़ आंदोलन ने जागरूकता पैदा करने और विभिन्न आंदोलनों के कारण तमिल और उसकी संस्कृति की रक्षा की। स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु एनईपी का विरोध कर रहा है क्योंकि केंद्र शिक्षा नीति के माध्यम से हिंदी और संस्कृत को थोपने की कोशिश कर रहा है। भाजपा के इस तर्क का विरोध करते हुए कि एनईपी के अनुसार तीसरी भाषा विदेशी भी हो सकती है, स्टालिन ने दावा किया कि 3-भाषा नीति अनुसूची के अनुसार, "कई राज्यों में केवल संस्कृत को बढ़ावा दिया जा रहा है।"

लद्दाख में नया प्रस्ताव लागू करने का ऐलान

चीन का एलएसी गतिरोध पर बड़ा बयान

बीजिंग.

भारत और चीन के बीच लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर वर्षों से चल रहे गतिरोध को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। चीन के रक्षा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को एलएसी गतिरोध पर बड़ा बयान जारी किया है। चीन ने कहा कि उसकी और भारत की सेनाएं पूर्वी लद्दाख में गतिरोध को समाप्त करने के प्रस्तावों को ''व्यापक और प्रभावी तरीके'' से लागू कर रही हैं। मंत्रालय के प्रवक्ता वरिष्ठ कर्नल वु कियान ने यहां एक मीडिया ब्रीफिंग में, पूर्वी लद्दाख सेक्टर में स्थिति के सामान्य होने से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, ''वर्तमान में, चीनी और भारतीय सेनाएं सीमा क्षेत्रों से संबंधित प्रस्तावों को व्यापक और प्रभावी तरीके से लागू कर रही हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए भारतीय पक्ष के साथ मिलकर काम करने को तैयार हैं।'' भारत और चीन ने पिछले साल के अंत में देपसांग और डेमचोक से सैनिकों की वापसी के लिए एक समझौते को अंतिम रूप देने के बाद यह (सैनिकों की वापसी की) प्रक्रिया पूरी कर ली है। पूर्वी लद्दाख में स्थित टकराव वाले इन दो स्थानों से सैनिकों की वापसी के साथ, चार साल से अधिक समय से संबंधों में जारी गतिरोध समाप्त हो गया। पीएम मोदी और शी के बीच 2024 में हुई वार्ता बनी शांति की वजह समझौते को अंतिम रूप दिये जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने 23 अक्टूबर को रूस के कज़ान में वार्ता की। बैठक में दोनों पक्षों ने विभिन्न वार्ता तंत्रों को बहाल करने का निर्णय लिया था। इसके बाद, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने पिछले साल 18 दिसंबर को बीजिंग में 23वीं विशेष प्रतिनिधि (एसआर) स्तर की वार्ता की।

अमेरिका के नए नागरिकता कानून में क्या भारत को मिलेगी छूट

वाशिंगटन.

अमेरिका के नये नागरिकता कानून को लेकर दुनिया भर में हड़कंप मचा है। नये राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सभी प्रवासियों के लिए जन्मजात नागरिकता के अधिकार को भी खत्म कर दिया है। मगर भारतीय लोगों के लिए एक खास छूट दी है, जिसे ट्रंप ने स्वयं बयां किया है। ट्रंप का कहना है कि प्रस्तावित 'गोल्ड कार्ड' पहल से अमेरिकी कंपनियों को हार्वर्ड और स्टैनफोर्ड जैसे शीर्ष अमेरिकी विश्वविद्यालयों से भारतीय स्नातकों को नियुक्त करने की अनुमति मिलेगी। ट्रंप ने बुधवार को धनी विदेशियों के लिए 'गोल्ड कार्ड' पहल की शुरुआत की, जिसके तहत 50 लाख अमेरिकी डॉलर के शुल्क के बदले उन्हें अमेरिका में रहने और काम करने का अधिकार दिया जाएगा तथा नागरिकता की पेशकश की जाएगी। 'सीएनएन' की खबर के मुताबिक, ट्रंप ने कहा, ''हम 'गोल्ड कार्ड' की बिक्री करने जा रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''आपके पास 'ग्रीन कार्ड' है। यह एक 'गोल्ड कार्ड' है। हम इस कार्ड की कीमत लगभग 50 लाख अमेरिकी डॉलर रखने जा रहे हैं और इससे आपको ग्रीन कार्ड के विशेषाधिकार मिलेंगे, साथ ही यह अमेरिकी नागरिकता पाने का मार्ग भी प्रशस्त करेगा। इस कार्ड के जरिये अमीर लोग अमेरिका का रुख करेंगे। ट्रंप ने कहा कि मौजूदा आव्रजन प्रणाली ने शीर्ष अंतरराष्ट्रीय प्रतिभाओं, खासकर भारतीय को, अमेरिका में रहने और काम करने से रोक दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ''कोई व्यक्ति भारत, चीन, जापान और अन्य देशों से आता है, हार्वर्ड या व्हार्टन स्कूल ऑफ फाइनेंस में पढ़ाई करता है।

दोषी सांसदों के चुनाव लड़ने पर न लगाया जाए आजीवन प्रतिबंध

नई दिल्ली. केंद्र सरकार ने दोषी सांसदों और विधायकों के चुनाव लड़ने पर हमेशा के लिए बैन लगाने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में आज जवाब दिया है। केंद्र सरकार ने जवाब देते हुए कोर्ट से कहा कि आपराधिक मामलों में दोषी ठहराए जाने वाले राजनेताओं पर चुनाव लड़ने के लिए आजीवन प्रतिबंध लगाना कठोर होगा। केंद्र सरकार ने इस दौरान मौजूदा कानून की वकालत की और इसे ही आगे जारी रखने की बात कही है। शीर्ष अदालत में दाखिल हलफनामे में केंद्र ने कहा कि याचिका में जो अनुरोध किया गया है वह विधान को फिर से लिखने या संसद को एक विशेष तरीके से कानून बनाने का निर्देश देने के समान है, जो न्यायिक समीक्षा संबंधी उच्चतम न्यायालय की शक्तियों से पूरी तरह से परे है।

महाकुंभ में बने कई गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड

प्रयागराज.

प्रयागराज में 45 दिनों तक आयोजित हुए विश्व के सबसे बड़े धार्मिक एवं आध्यात्मिक समागम-महाकुंभ का महाशिवरात्रि के अवसर पर समापन हो गया। 45 दिन के इस अभूतपूर्व आयोजन की चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है। अभूतपूर्व इसलिए क्योंकि दुनियाभर के लोगों ने आस्था का ऐसा महासागर इससे पहले कभी किसी ने नहीं देखा। 45 दिन में 66 करोड़ तीस लाख से ज्यादा भक्तों ने संगम में डुबकी लगाई।

हर दिन सवा करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु महाकुंभ में पहुंचे। 50 लाख से ज्यादा विदेशी भक्त आए। 70 से ज्यादा देशों के लोग प्रयागराज पहुंचे। पूरी दुनिया ये देखकर हैरान है कि अमेरिका से दोगुनी आबादी और दुनियाभर के 100 से ज्यादा देशों की कुल पॉपुलेशन से ज्यादा लोग प्रयागराज पहुंचे थे।

70 हजार से ज्यादा सुरक्षाकर्मी थे तैनात, बड़ी बात ये है कि ये कोई सरकारी आयोजन नहीं था, ये सनातन की परंपरा और भारत की सांस्कृतिक शक्ति का मेला था। महाकुंभ में 37 हजार से ज्यादा पुलिसवाले तैनात किए गए थे, 14 हजार से ज्यादा होमगार्ड्स थे। सीआरपीफ के भी जवानों की तैनाती की गई। कुल 70 हजार से ज्यादा सुरक्षाकर्मी तैनात था और बड़ी बात ये है कि महाकुंभ के समापन के मौके पर श्रद्धालुओं ने सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों की जमकर तारीफ की। रिकॉर्ड वाला महाकुंभ, 66.30 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु आए, अमेरिका की आबादी से दोगुने लोग पहुंचे, 193 देशों की आबादी से ज्यादा महाकुंभ में आए, सिर्फ भारत-चीन की आबादी महाकुंभ आए श्रद्धालुओं से ज्यादा, 120 करोड़ हिंदुओं में से 66 करोड़ से ज्यादा की डुबकी, दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियम से 166 गुना बड़ा मेला एरिया, 4 हजार हेक्टेयर में

हैंड पेंटिंग में 10,102 लोगों का रिकॉर्ड, पहले 7660 लोगों का था

झाड़ू लगाने में 19000 लोगों का रिकॉर्ड बना, पहले 10,000 लोगों का था

स्वच्छता का बना वर्ल्ड रिकॉर्ड

वहीं, आपको बता दें कि इस बार महाकुंभ में सिर्फ श्रद्धालुओं की संख्या का रिकॉर्ड नहीं बना, स्वच्छता का भी वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया है। महाकुंभ मेला क्षेत्र के 4 जोन्स में एक साथ 19 हजार सफाईकर्मियों ने सफाई करके, झाड़ू लगाकर एक नई मिसाल पेश की है। सफाईकर्मियों की इस पहल को वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज करने के लिए गिनीज बुक की टीम भी मौजूद थी। 2019 के कुंभ में जहां 10 हजार सफाईकर्मियों ने एक साथ झाड़ू लगाकर ये रिकॉर्ड बनाया था लेकिन इस बार ये संख्या 19 हजार थी।

महाकुंभ मेला जोन का स्ट्रक्चर, 4 लाख से ज्यादा टेंट-तंबू, 1.5 लाख टॉयलेट बने.

न्यूलैंड लैबोरेट्रीज लिमिटेड: 13 सालों में 179 गुना रिटर्न

मुंबई.

शेयर बाजार में निवेशक हमेशा अच्छे रिटर्न देने वाले स्टॉक की तलाश में रहते हैं और मल्टीबैगर स्टॉक अक्सर उनकी लिस्ट में सबसे ऊपर होते हैं. हालांकि, स्टॉक निवेश से पर्याप्त लाभ कमाने के लिए आपको धैर्य की जरूरत होती है. ऐसा ही एक स्टॉक जिसने निवेशकों के शानदार रिटर्न दिया है. इस स्टॉक का नाम न्यूलैंड लैबोरेट्रीज लिमिटेड है.

179 गुना से अधिक रिटर्न में तब्दील हो गया है: न्यूलैंड लैबोरेट्रीज लिमिटेड का शेयर प्राइस अभी के समय 10,885.05 रुपए पर कारोबार कर रहा है. 13 साल में लगभग शेयर 17,757 प्रतिशत बढ़ गया है, जो कि 61.60 रुपए प्रति शेयर से बढ़कर, इस अवधि के दौरान 179 गुना से अधिक रिटर्न में तब्दील हो गया है. इस शेयर में अगर किसी ने 13 साल पहले 1 लाख रुपए का निवेश किया होता तो आज के समय कीमत 1.78 करोड़ रुपए हो जाती.

न्यूलैंड लैबोरेट्रीज के शेयर की चाल : न्यूलैंड लैबोरेट्रीज का शेयर प्राइस गुरुवार 27 फरवरी को बाजार की सुस्त चाल के बीच एनएसई पर 6 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ 10,885.05 रुपये पर कारोबार कर रहा था. पिछले एक साल में न्यूलैंड लैबोरेट्रीज का शेयर अस्थिर रहा है. लेकिन शेयर ने लंबे समय में

अपने निवेशकों को फायदा दिया है. पिछले 6 महीनों में न्यूलैंड लैबोरेट्रीज के शेयर की कीमत में 11 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है, जबकि पिछले एक महीने में ही इसमें 19 प्रतिशत की गिरावट आई है. साल दर साल के आधार पर न्यूलैंड लैबोरेट्रीज के शेयर की कीमत 14,294 रुपए से गिरकर 10,915 प्रति शेयर हो गई है, यानी इसके कीमत में 23.64 प्रतिशत की गिरावट आई है.

न्यूलैंड लेबोरेटरीज वित्तीय : 31 दिसंबर 2024 को समाप्त तिमाही के लिए न्यूलैंड का नेट प्रॉफिट घटकर 57.24 करोड़ रुपए रह गया, जो पिछली तिमाहियों के औसत पीएटी की तुलना में 13.3 प्रतिशत की गिरावट को दर्शाता है.जो पिछली चार तिमाहियों के औसत पीबीटी की तुलना में 19.6 प्रतिशत की गिरावट को दर्शाता है.

न्यूलैंड लैबोरेटरीज ने पिछले पांच तिमाहियों में 78.75 रुपए पर अपनी उच्चतम प्रति शेयर आय (ईपीएस) दर्ज की, जो शेयरधारकों के लिए बढ़ी हुई लाभप्रदता और अधिक रिटर्न का संकेत है.

अडानी समूह ने महिलाओं के लिए शुरू की कई आत्मनिर्भर योजनाएं

अहमदाबाद.

अडानी पोर्टफोलियो की सीमेंट और निर्माण सामग्री कंपनी एसीसी, अदाणी फाउंडेशन के साथ मिलकर 'मेरी संगिनी मेरी मार्गदर्शन' (एमएसएमएम) कार्यक्रम के माध्यम से सामाजिक प्रभाव को आगे बढ़ा रही है। 17 एसीसी स्थानों पर लागू की गई, महिलाओं के नेतृत्व वाली इस पहल ने ग्रामीण समुदाय के सदस्यों को 20 से अधिक सरकारी कल्याण, बीमा, वित्तीय योजनाओं और अधिकारों से जोड़ा है, जिससे कुल 612 करोड़ रुपये का लाभ हुआ है। एमएसएमएम के सभी प्रशिक्षक प्रशिक्षित स्थानीय महिला स्वयंसेविका हैं, जिन्हें 'संगिनी' कहा जाता है।

नौकरशाही प्रक्रियाओं को सरल बनाकर, एमएसएमएम ने लाभार्थियों को स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, वित्तीय समावेशन और आजीविका से संबंधित योजनाओं तक पहुंचने में मदद की है - जिससे घरेलू आय और सामाजिक सुरक्षा में वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2025 में अब तक, इस कार्यक्रम ने कर्नाटक, झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, ओडिशा और अन्य राज्यों में 28,000 लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं से जोड़ा है। एमएसएमएम ने अब तक वित्त वर्ष के दौरान सरकारी लाभ में कुल 612 करोड़ रुपये का लाभ अर्जित किया है, जिसमें 3.51 करोड़ रुपये सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में हस्तांतरित किए गए हैं, जिससे वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिला है। एसीसी के कुडिथिनी, वाडी, सिंदरी और मदुक्कराई संयंत्रों के आसपास स्थित समुदायों को बरगढ़, चंदा, चाईबासा, दामोदर, गगल, जामुल, क्यमोर, लाखेरी, थोंडेभावी, टिकारिया, चिल्हाटी और सलाईबनवा सहित सभी कवर किए गए स्थानों में से सबसे अधिक लाभ मिला है।

लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड, ई-श्रम कार्ड, फसल बीमा, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री स्ट्रीटवेंडर्स आत्मनिर्भर निधि और अन्य सहित पात्र कल्याणकारी योजनाओं तक पहुंच प्राप्त हुई है, जिससे उनकी वित्तीय सुरक्षा और आजीविका में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। कुल मिलाकर, एमएसएमएम ने निवेश की गई राशि का 885 गुना मूल्य अनलॉक किया है, जो सामाजिक परिवर्तन को आगे बढ़ाने में इसकी दक्षता को रेखांकित करता है।

इलेक्रामा 2025: ऊर्जा और नवाचार के क्षेत्र में भारत की अग्रणी स्थिति

नई दिल्ली.

इंडियन इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईईईएमए) द्वारा आयोजित इलेक्रामा 2025 का 16वां संस्करण सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इसके साथ ही, उसकी इलेक्ट्रिकल और संबंधित इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग के प्रमुख वैश्विक मंच के तौर पर स्थिति मजबूत हुई है। 1,000 से अधिक एग्जिबिटर्स, 400,000 से अधिक बिजनेस विजिटर्स की मौजूदगी और अनुमानित 20 अरब डॉलर की बिज़नेस इनक्वायरीज़ के साथ इस संस्करण ने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए, जो इस आयोजन के बेहद व्यापक स्तर, प्रभाव और वैश्विक अपील का प्रमाण है। इलेक्रामा 2025 उद्योग जगत के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में उभरा है, जिसमें प्रभावशाली बी2बी बैठकें, व्यावहारिक विचारशील लीडरशिप सेशन और रचनात्मक नीतिगत संवाद हुए। इसके जरिये वैश्विक और भारतीय दोनों हितधारक एकजुट हुए। इस कार्यक्रम के दौरान 15,000 से अधिक बी2बी बैठकों को सफलतापूर्वक आयोजन हुआ और इसने 80 देशों के 500 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों को आकर्षित किया, जिससे वैश्विक इलेक्ट्रिकल इकोसिस्टम तंत्र के भीतर एक भरोसेमंद भागीदार के रूप में भारत की स्थिति और मजबूत हुई है। इलेक्रामा 2025 के दौरान ग्लोबल इंटरेस्ट में खासी बढ़ोतरी देखने को मिली। कार्यक्रम में भाग लेते हुए मंत्री बशीर कैमारा, उप मंत्री, एमईएचएच, गिनी ने कहा, " एनर्जी और डिजिटलाइजेशन में भारत की प्रगति गिनी जैसे विकासशील देशों के लिए बहुमूल्य नज़रिया उपलब्ध कराती है। भारत के साथ सहयोग बढ़ाने से हमें अपने इलेक्ट्रिसिटी सिस्टम्स को बेहतर बनाने और नए समाधान अपनाने में मदद मिल सकती है। " इलेक्रामा 2025 में चार एमओयू पर हस्ताक्षर भी हुए, जिससे बिजली और इलेक्ट्रिकल क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाने साझेदारियों की नींव रखी गई। जिसमें तेजी से बढ़ते भारतीय बिजली क्षेत्र और इसकी दमदार ग्रोथ को प्रदर्शित किया गया है। ग्लोबल पार्टनरशिप्स और अन्य जानकारियों को साझा करने के साथ, इलेक्रामा भारत को इलेक्ट्रिकल मैन्युफैक्चरिंग और ऊर्जा नवाचार के केंद्र के रूप में लगातार स्थापित कर रहा है, उद्योग संबंधों को मजबूती दे रहा है और ज्यादा कुशल बिजली इकोसिस्टम की ओर रूपांतरण को तेज कर रहा है।"

इस आयोजन के समापन के साथ, इस वर्ष के संस्करण के महत्व पर आईईईएमए के प्रेसिडेंट सुनील सिंघवी ने कहा, "इलेक्रामा 2025 ने सभी उम्मीदों को पूरा किया है, जो इलेक्ट्रिकल और बिजली उद्योग के लिए दुनिया के अग्रणी मंच के तौर पर उसकी यात्रा में एक अहम कदम है। इलेक्रामा 2025 के प्रेसिडेंट (इलेक्ट) और चेयरमैन विक्रम गंडोत्रा ने कहा, "सस्टेनेबिलिटी और नवाचार इलेक्रामा 2025 के केंद्र में थे, जिसने ग्रीन इलेक्ट्रिसिटी को अपनाने और कार्बन फुटप्रिंट में कमी लाने में नए बेंचमार्क स्थापित किए। इस कार्यक्रम में रिन्यूएबल एनर्जी इंटीग्रेशन, एनर्जी स्टोरेज और ऑटोमेशन में उल्लेखनीय प्रगति पर प्रकाश डाला गया, जिससे ज्यादा ग्रीन और ज्यादा सस्टेनेबल भविष्य का मार्ग प्रशस्त हुआ।

आईईईएमए के वाइस प्रेसिडेंट एवं इलेक्रामा 2025 के वाइस चेयरमैन सिद्धार्थ भूटोरिया ने कहा,

इस कार्यक्रम का उद्घाटन पावर और हाउसिंग एंड अर्बन अफेयर्स मिनिस्टर मनोहर लाल खट्टर ने किया, जिसमें भारत के एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला गया। मुख्य भाषण देते हुए, कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल ने भारत का एनर्जी ट्रांज़िशन, पॉलिसी डायरेक्शन, और टेक्नोलॉजिकल एडवांसमेंट्स से जुड़े सुधारों पर जोर दिया। इस दौरान, ग्रिड मॉडर्नाइज़ेशन, सस्टेनेबल पॉलिसीज़ और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पर चर्चा हुई। इसके अलावा, इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज़ के प्रमुख मंच ईटेकनेक्स्ट में 40 से अधिक बेहतरीन वक्ता और 350 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिन्होंने एनर्जी मार्केट्स में एआई इंटीग्रेशन, आईओटी-ड्रिवन स्मार्ट ग्रिड्स और ब्लॉकचेन एप्लिकेशन की खोज पर चर्चा की। इससे बिजली क्षेत्र के भविष्य को आकार देने में इलेक्रामा की भूमिका को बल मिला है। इलेक्रामा 2025 में प्रतिष्ठित अवार्ड डिस्ट्रीब्यूशन एंड एग्जिबटर्स नाइट की मेजबानी के साथ, इस आयोजन का सफल समापन हुआ, जिससे पर्यावरण-अनुकूल कैब्स और ग्रीन इलेक्ट्रिसिटी पर आधारित इवेंट के माध्यम से 2.3 मीट्रिक टन सीओ2 की बचत करने में सफलता मिली। इस कार्यक्रम में शानदार चर्चाओं, टेक्नोलॉजी से जुड़े अत्याधुनिक प्रदर्शनों और रणनीतिक साझेदारियां संभव हुईं, जिनसे इलेक्ट्रिकल और पावर इंडस्ट्री के भविष्य को आकार मिलेगा।

इस कार्यक्रम ने ऊर्जा समाधानों में अग्रणी के रूप में भारत की स्थिति पर मुहर लगाई और परस्पर ज्यादा जुड़े, सस्टेनेबल और टेक्नोलॉजी के लिहाज से बेहतर भविष्य का मार्ग प्रशस्त किया।

भारत की शीर्ष सीएसआर खर्च करने वाली कंपनियां

> टाटा, अंबानी, अडानी और बिड़ला प्रमुख योगदानकर्ता

मुंबई.

2023-24 के आंकड़ों के अनुसार, भारत की चार बिजनेसमैन फैमिली टाटा, अंबानी, अडानी और बिड़ला के परिवार द्वारा संचालित कंपनियों द्वारा किए गए कुल कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) योगदान में 20 प्रतिशत का योगदान है.

1,000 करोड़ रुपए तक का योगदान : दासरा के साथ बेन ऐंड कंपनी द्वारा तैयार इंडिया फिलेंथ्रपी रिपोर्ट 2025 के अनुसार, इन कंपनियों ने सीएसआर मद में प्रति समूह औसतन 800 करोड़ रुपये से 1,000 करोड़ रुपये का योगदान किया. वहीं, सीएसआर खर्च में शीर्ष 2 फीसदी कारोबारी घरानों का योगदान 50 से 55 फीसदी दर्ज किया गया। कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 135 के तहत, कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने कुछ व्यवसायों को शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, ग्रामीण विकास और पर्यावरणीय स्थिरता जैसे क्षेत्रों में अपने नेट प्रॉफिट का न्यूनतम 2 प्रतिशत योगदान करने का निर्देश दिया.

वित्त वर्ष 2022-23 : वित्त वर्ष 2022-23 में, कुल 24,392 कंपनियों ने खेल, स्वास्थ्य और स्वच्छता, स्लम विकास, कला और संस्कृति और अन्य जैसे 14 क्षेत्रों में सीएसआर गतिविधियों में करोड़ों रुपये खर्च किए. आज हम आपको इस खबर के माध्यम से बताने जा रहे हैं भारत की शीर्ष सीएसआर खर्च करने वाली कंपनियों के नाम .

एचडीएफसी बैंक: इसके शीर्ष पर अग्रणी बैंक एचडीएफसी है, जो अपने सीएसआर प्रयासों के लिए जाना जाता है जो ग्रामीण विकास, आजीविका वृद्धि, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और वित्तीय साक्षरता पर ध्यान केंद्रित करता है. 41,165 करोड़ रुपए के औसद नेट प्रॉफिट में से, एचडीएफसी ने सीएसआर पर 800 करोड़ रुपए खर्च किया, जिससे यह भारत की सबसे अधिक सीएसआर खर्च करने वाली कंपनियों में से एक बन गई.

टाटा की सीएसआर पहल भविष्य के विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित शिक्षा पर केंद्रित है। टीसीएस ने शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, स्वच्छता और समुद्री संरक्षण पर सीएसआर पर लगभग 774 करोड़ रुपए खर्च किए.

वित्तीय वर्ष 2022-23 में, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने सीएसआर गतिविधियों में 743 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए, जिससे ग्रामीण परिवर्तन कार्यक्रमों के माध्यम से लगभग 27 लाख लोग प्रभावित हुए.

भारत की सबसे बड़ी बिजली उपयोगिता कंपनी एनटीपीसी ने अपने सीएसआर पहल के लिए लगभग 320 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं. एनटीपीसी के सीएसआर प्रयासों ने सैकड़ों गांवों और स्कूलों को प्रभावित किया है.

इंटरनेशनल फिल्म सिटी का काम शुरू, बोनी कपूर ने लिया भूमि का कब्जा

मुंबई.

इंटरनेशनल फिल्म सिटी का काम शुरू होने जा रहा है. फिल्म निर्माता बोनी कपूर और उनकी टीम ने जमीन का कब्जा ले लिया है. बोनी कपूर ने यीडा सिटी साइट पर अपनी योजनाओं का खाका भी पेश कर दिया है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट का शुभारंभ होने जा रहा है. दरअसल, इंटरनेशनल फिल्म सिटी का काम शुरू होने जा रहा है. गुरुवार को इंटरनेशनल फिल्म सिटी के लिए निर्धारित जमीन को आधिकारिक रूप से सौंपा जाएगा. फिल्म निर्माता बोनी कपूर और उनकी टीम ने जमीन का कब्जा ले लिया है. इस फिल्म सिटी में आधुनिक स्टूडियो, थीम पार्क और हाई क्वालिटी सुविधाएं होंगी.

बोनी कपूर को मिलेगा जमीन का कब्जा: जमीन सौंपने की प्रक्रिया दोपहर 3 बजे यमुना अथॉरिटी कार्यालय में हुई. इसके बाद बोनी कपूर ने यीडा सिटी साइट पर अपनी योजनाओं का खाका पेश किया. फिल्म सिटी 1,000 एकड़ के जमीन पर तैयार होगी. यह यीडा सिटी के सेक्टर 21 में है. पहले चरण में बोनी कपूर को 230 एकड़ भूमि के विकास का ठेका दिया गया है. बोनी कपूर और उनके साथी भूतानी ग्रुप को जमीन सौंपी गई है.

मार्च में हो सकता है शिलान्यास: इस प्रोजेक्ट का शिलान्यास मार्च में होगा. इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल होंगे. यह कार्यक्रम 5 मार्च को होने की संभावना है. इसे तीन साल के भीतर पूरा करने का टारगेट रखा गया है. यह प्रोजेक्ट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सपना है. पहले चरण में सात क्षेत्रों में विकास होगा. इस सिटी में हाई टेक स्टूडियो, साउंड और लाइट इफेक्ट्स के लिए स्पेशल शूट लोकेशन, ओपन सेट्स और सेलिब्रिटी स्टूडियोज भी तैयार किए जाएंगे.

फिल्म यूनिवर्सिटी भी बनाने की तैयारी : फिल्म सिटी में एक फिल्म यूनिवर्सिटी और ट्रेनिंग सेंटर भी तैयार करने की योजना है. इस विकास से डिज़्नीलैंड जैसे थीम पार्क और मनोरंजन पार्क भी बनेंगे. यह पर्यटकों और स्थानीय निवासियों के लिए एक प्रमुख मनोरंजन का केंद्र बनाएंगे. अभिनेताओं, तकनीशियनों और पर्यटकों के लिए हाई लेवल सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए फिल्म सिटी में 5 स्टार और 7 स्टार होटल, शॉपिंग सेंटर और बिजनेस ऑफिस भी होंगे. इस फिल्म सिटी में आधुनिक स्टूडियो, थीम पार्क और हाई क्वालिटी सुविधाएं होंगी.

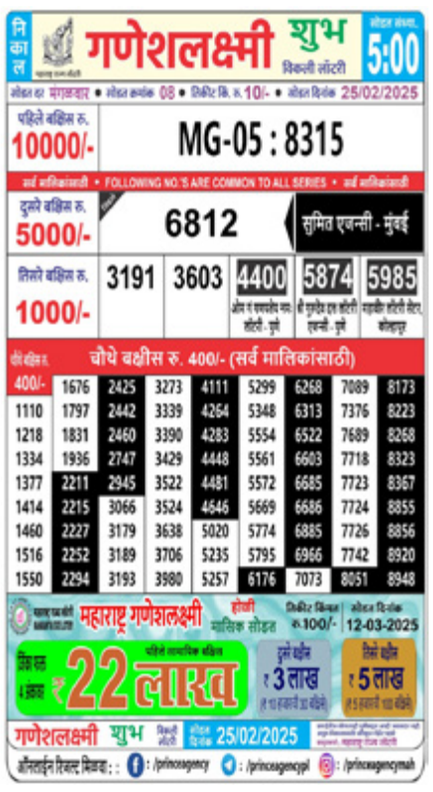

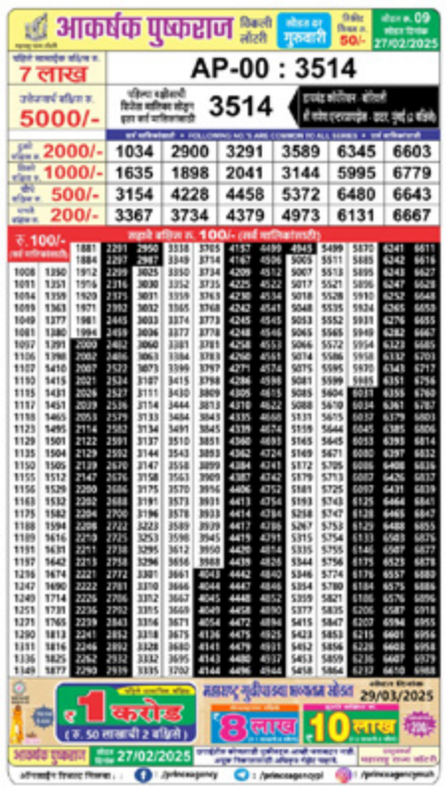

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

पीएनजी ज्वेलर्स का चेन और कंगन महोत्सव

नागपुर.

विश्वास और कुशलता के लिए जाने जानेवाले पीएनजी ज्वेलर्स ने अपने बहुप्रतीक्षित चेन और कंगन महोत्सव की घोषणा की है। सोने की चेन और कंगन के उत्कृष्ट संग्रह को प्रदर्शित करने वाला यह एक विशेष उत्सव है। यह सीमित समय का कार्यक्रम सभी शहरों में पीएनजी ज्वेलर्स की सभी शाखाओं में उपलब्ध होगा, जो स्टॉक खत्म होने तक चलेगा, जिससे ग्राहकों को आकर्षक कीमतों पर डिजाइनों की विस्तृत शृंखला के साथ एक अद्वितीय खरीदारी का अनुभव मिलेगा। चेन और कंगन महोत्सव में कालातीत और समकालीन चूड़ियों व चेन का विविध चयन प्रस्तुत किया गया है, जिसमें विरासत और आधुनिक सौंदर्य का अद्भुत मिश्रण है। कंगन और चेन दैनंदिन उपयोग के आभूषणों का अनिवार्य हिस्सा हैं, जो हर अवसर के अनुरूप स्टाइल और स्थायित्व का मेल कराते हैं। इसके अलावा, ग्राहक मेकिंग चार्ज पर १५% की छूट का लाभ उठा सकते हैं, जिससे यह शानदार आभूषणों में निवेश करने का सही अवसर बन जाएगा। यह कलेक्शन विस्तृत शिल्प कौशल का एक सुंदर प्रदर्शन है, जो शुद्धता से जगमगाता है और पीएनजी ज्वेलर्स के भरोसे के साथ ग्राहकों के लिए उपलब्ध है। पीएनजी ज्वेलर्स के अध्यक्ष और व्यवस्थापकीय संचालक डॉ. सौरभ गाडगीळ ने कहा, "पीएनजी ज्वेलर्स में, हम समय के साथ विकसित होते हुए परंपरा को जतन करने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रहे हैं। चेन और कंगन महोत्सव हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाता है और प्रत्येक ग्राहक को उनके व्यक्तित्व व शैली से मेल खाने के लिए सही आभूषण प्रदान करता है। विशिष्ट कलेक्शन और आकर्षक ऑफर के साथ, हम इस महोत्सव को अपने ग्राहकों के लिए वास्तव में विशेष बनाने के लिए उत्सुक हैं।"यह महोत्सव सभी पीएनजी ज्वेलर्स स्टोर्स और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आयोजित किया जाएगा, जिससे ग्राहकों के लिए अपने घरों से आराम से ब्राउज़ करना और चयन करना आसान हो जाएगा।

सुविचार

मनुष्य की इच्छाशक्ति से बड़ी कोई शक्ति नहीं है। इसलिए इच्छा शक्ति बहोत जरूरी है।

संपादकीय

अमेरिका रूस साथ-साथ

❍ संयुक्त राष्ट्र के मंच पर सोमवार को दिखा वह दुर्लभ दृश्य वाकई ऐतिहासिक कहा जाएगा जब यूक्रेन युद्ध से जुड़े प्रस्ताव पर अमेरिका और रूस एक पाले में खड़े थे और अमेरिका के निकट सहयोगी माने जाने वाले ब्रिटेन और फ्रांस जैसे देश उनका विरोध कर रहे थे। स्थिति यह हुई कि अमेरिका को संयुक्त राष्ट्र महासभा में लाए अपने ही प्रस्ताव पर वोटिंग से दूर रहना पड़ा क्योंकि उसमें ऐसे संशोधन मंजूर कर लिए गए, जो उसे स्वीकार्य नहीं थे। रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर संयुक्त राष्ट्र के मंच पर सोमवार को दिखी रस्साकशी ने यह स्पष्ट कर दिया कि द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद बने और उस समय से लगभग निरंतरता में चले आ रहे वैश्विक समीकरण बिल्कुल बदल चुके हैं। इसके बाद फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों की अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के साथ वाइट हाउस में हुई मुलाकात के दौरान अमेरिका और यूरोप के बीच की यह दरार और गहरी दिखी।स सारी हलचल की वजह यह है कि राष्ट्रपति ट्रंप के सत्ता में आने के बाद अमेरिका के रुख में अचानक 180 डिग्री का फर्क आ गया है। अमेरिका अब यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की को तानाशाह बता रहा है जबकि यूरोपीय देश रूस को हमलावर राष्ट्र के रूप में चित्रित करने पर अड़े हुए हैं।

व्यंग्य

प्रेम जनमेजय

बेशर्ममेव जयते

❍ कुछ आदमी प्रायः आदमी न होकर मोमजामे हो जाते हैं. इनको नेता कहते हैं. कुछ इससे भी आगे बढ़ जाते हैं. इन पर धूप, हवा, पानी, आग, सत्य, न्याय, नैतिकता, ईमानदारी, करुणा, दया किसी का भी असर नहीं पड़ता है. ये अपने लिए जीते हैं और दूसरों को विवश करते हैं कि वे भी इनके लिए जिएँ. ऐसे लोगों से खुदा भी डरता है. ये कपड़े उतारने में बहुत सहूलियत महसूस करते हैं. कपड़े ये अपने ही उतारते हैं और शर्म दूसरों को आ जाती है. ऐसे सम्माननीय सज्जनों को 'बेशर्म' कहते हैं.

शर्मदार लोग बेशर्मों से निरंतर पराजित होते रहे हैं. जो जितना बड़ा बेशर्म बना, उसने उतनी ही बड़ी विजय हासिल की.बेचारा दुर्योधन शर्म में मारा गया. गांधारी के सामने बेशर्म नहीं हो सका. बेशर्म हो जाता तो भीम से पराजित न होता, इतिहास बदल जाता. और दूसरी ओर पांडव महाभारत के युद्ध में निरंतर अपने कपड़े उतारते रहे. भीष्म पितामह के पास जाकर उनसे उनकी मृत्यु का रहस्य पूछ आए. द्रोणाचार्य को असत्य बोलकर शर्मिंदा किया और स्वयं बेशर्मी से उनकी हत्या कर दी. कर्ण की बेशर्मी से हत्या की और स्वयं विजयी भाव से मुसकराए. पांडवजन युद्ध में कई बार बेशर्म हुए पर दुर्योधन एक बार भी नहीं हो सका. धर्म-युद्ध को धर्म-युद्ध की तरह लड़ता रहा.एक दिन बस-स्टाप पर एक युवक लड़की से छेड़ छाड़ कर रहा था. उसकी उम्र में यह छेड़छाड़ मुझे भी अच्छी लगती थी परन्तु जब से अध्यापक बना हूँ, नैतिकता ने मुझे बाँध दिया है.

"इस देश में साले बुजुर्गों को शर्म नहीं आ रही है. मैं तो अभी बच्चा हूँ. ये पूरे देश के साथ छेड़छाड़ कर रहे हैं, उन्हें तो कोई कुछ कहता नहीं, हमें शर्मिंदा करने पर तुले हुए हैं. जो लोग पूरे देश के कपड़े उतार कर विदेशी बैंकों में रखते जा रहे हैं, उन्हें कोई नहीं टोकता. बरसों से देश की दलाली खा रहे हैं. थू... !मैंने अपना मुंह साफ किया और गर्दन झुका ली. उसने गर्व से लड़की को छेड़ा और गर्दन उठा ली!हमारे मोहल्ले में दो सम्माननीय व्यक्ति हैं. एक की लड़की भाग गई है और दूसरा शराब पीकर अपनी पत्नी को पीटता है. दोनों से उलझने का कोई साहस नहीं करता. रोज मोहल्ले की नींद खराब होती है, अमन चैन में खलल पड़ता है. एक दिन मैं साहस कर बैठा. मैंने उनसे कहा, "आपको शर्म नहीं आती?

बालकथा

सुयश की बदली आदत

❍ सुयश एक प्यारा लड़का था,रोज स्कूल जाता था और ध्यान लगा कर पढ़ता था लेकिन उसकी एक ही बुरी आदत थी, वह झूठ बहुत बोलता था. इस आदत से उसके माँ-पापा और दोस्त परेशान रहते थे. उसे हमेशा समझाते थे कि इस आदत के कारण किसी दिन तुम बहुत मुसीबत में पड़ जाओगे लेकिन सुयश इस सलाह पर कभी ध्यान नहीं देता था और कहता 'अभी तक कुछ नहीं हुआ है तो आगे भी नहीं होगा.' एक दिन सुयश के दोस्त मनु ने कहा "मैं तैराकी सीखने जाता हूं, तुम भी चलो वहाँ बहुत मजा आता है." सुयश ने आदत के मुताबिक तुरंत झूठ बोला "मनु मुझे तो तैराकी आती है और मैंने तो तैराकी की कई प्रतियोगितायें जीती है. कुछ दिनों बाद सुयश नए साल में अपने दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने हलाली डेम गया. डेम में पहले से ही चहल पहल थी, इतवार होने के कारण लोग अपने परिवार के साथ वहाँ आये हुए थे. डेम के चारों तरफ पार्क था जिसमें फिसलपट्टी,सीसा झूला लगे थे. डेम के केयर टेकर ने इन बच्चों को अकेले आते हुए देखा तो कहा "बच्चों तुम लोगों के परिवार से कोई बड़ा व्यक्ति नही आया है." "नहीं अंकल ". "तुम लोग पार्क में ही खेलना पानी की तरफ मत जाना, डेम बहुत गहरा है डूबने का खतरा है". ये चेतावनी देकर केयर टेकर चला गया. पार्क में सब ने बहुत मजे किये. सुयश के दोस्त पंकज ने लोगों को पानी के पास जाते देख कर कहा "देखो सभी लोग तो पानी के पास जा रहे हैं, चलो न हम भी चलते हैं." सभी बच्चे पानी के पास चले गए. वहाँ एक नाव रखी थी, सभी बच्चे उस पर चढ़ कर खेलने लगे. तभी नाव जिस रस्सी से बंधा था वो खुल जाता है और नाव तेजी से पानी की तरफ बहने लगती है. बच्चे घबरा गए और जोर जोर से बचाओ-बचाओ चिल्लाने लगे. तब मनु सुयश से कहता है "तुम तो तैराकी के चैम्पियन हो, जल्दी से तैर कर किनारे जाओ और लोगों से मदद लेकर हमें बचाओ." तब सुयश घबरा जाता है और उसके आंख से आंसू बहने लगते हैं. वो मनु से कहता है "मुझे माफ़ कर दो दोस्त, मुझे तो तैरना नहीं आता है, उस दिन मैंने तुमसे झूठ बोला था. मैं कान पकड़ता हूँ कि आगे से कभी झूठ नहीं बोलुगां." तभी नाव डगमगाने लगती है, डर के मारे बच्चे रोने लगते हैं और किनारे पर खड़े लोगों को जोर से आवाज देने लगते हैं. किनारे पर खड़े लोगों ने बच्चों को चिल्लाते और नाव को डगमगाते देखा, 3-4 लोग तुरंत उन्हें बचाने पानी में कूद पड़ते हैं और नाव की रस्सी को खीचते हुए उसे किनारे ले आते हैं. सभी बच्चे सदमे में होते हैं. तब तक डेम के केयर टेकर भी आ जाते हैं. वो कहते हैं "मैंने तुम लोगों पानी के पास जाने को मना किया था." बच्चों ने केयर टेकर से माफ़ी मांगी. सुयश को भी झूठ बोलने का सबक मिल गया था.

डॉ. एम.ए.रशीद, नागपूर

शुक्रवार स्पेशल

भाग (77)

रमज़ानुल मुबारक में इबादतों का दर्जा कई गुना अधिक हो जाता है

मुस्लिम समुदाय को रमज़ानुल मुबारक के उपहार की कद्र करना चाहिए

रमज़ानुल का पवित्र महीना इस्लामिक कैलेंडर का नौवां महीना कहलाता है। इस पवित्र महीने में दुनिया भर के मुसलमान रमज़ानु मुबारक के दौरान रोज़ा रखते हैं। रमज़ानुल मुबारक की शुरुआत चांद के दीदार पर निर्भर करती है और फिर ईद भी चांद के दीदार पर होती है। संभवतः अगले दिन से रमज़ानुल मुबारक आरंभ हो जाएगा।

❍ रमज़ानुल मुबारक की शुरुआत 7 वीं शताब्दी में हुई जब पवित्र क़ुरआन की पहली पंक्ति पैग़म्बर हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम के सामने प्रकट हुई थी। मान्यताओं के अनुसार उसका अवतरण इस महीने की 27 वीं रात "लैलतुल क़द्र" से शुरू हुआ था जिसे सभी रातों में सबसे पवित्र माना जाता है। खगोलविदों के अनुसार इस साल का पहला रोज़ा 13 घंटे 20 मिनट का और आख़री रोज़ा 14 घंटे 08 मिनट का होगा। इस साल पवित्र महीने के रोज़े में लगभग 13 घंटों के साथ लगभग 20 से 30 मिनट का अंतर होगा और दिल्ली में पहला रोजा 12 घंटे 38 मिनट का होगा। रमज़ानुल मुबारक में विभिन्न अनिवार्य नमाज़ों के अलावा तरावीह की विशेष नमाज़ का दौर आरम्भ हो जाता है। इस में पढ़े जाने वाली पवित्र क़ुरआन की सूरतों की पुनरावृत्ति ईमाम (हाफ़िज़े क़ुरआन) साहेबान ने कर ली होती है। तरावीह की नमाज़ समाप्त होने पर कुछ मस्जिदों में ईमाम (हाफ़िज़े क़ुरआन) पढ़ी गईं सूरतों का अनुवाद और संक्षिप्त व्याख्या भी करते हैं। रोज़दार तक़्वा, ईशपरायणता अर्थात विशेष प्रकार की आध्यात्मिक शक्ति प्राप्त करने के लिए कठिन इबादतें करते हैं। जिसका सकारात्मक परिणाम शरीर के इंद्रियों को वश में करने से होता है। रमज़ानुल मुबारक के रोज़ों के संबंध में उसके फ़िक़्ह (इस्लामी धर्मशास्त्र, इस्लामी क़ानून, शरीयत) के बारे में आदेशों की संपूर्ण जानकारी होना चाहिए, वरना रोज़ों की क़ुबूलियत के ऊपर संकट मंडरा सकता है। इस्लाम की पांच बुनियादों में रमजानुल मुबारक के रोज़ें फ़र्ज़ की श्रेणी में आते हैं। जो व्यक्ति यौवन को पहुंच जाए उस पर रमज़ानुल मुबारक के रोज़ें अनिवार्य हो जाते हैं। मुस्लिम समुदाय के लिए रमज़ानुल मुबारक का महीना अल्लाह के साथ रिश्ता मज़बूत करने का महीना होता है। अल्लाह को जिन बातों की मुस्लिम समुदाय से अपेक्षा होती हैं वही बातें उन्हें इस माह में अपडेट कराना होती हैं। मुस्लिम बंधुओं को भी चाहिए कि वे अल्लाह के साथ अपने रिश्ते को विकसित करने की कोशिश करें और रमज़ान से अधिकतम लाभ कैसे प्राप्त किया जाए इस पर सोच-विचार होना चाहिए। अल्लाह तआला ने इंसानों के दिलों में अलग अलग अहसासात रखे हैं। अलग-अलग लोगों के दिलों में अलग-अलग भावनाएँ होती हैं।

इन भावनाओं का असर रमज़ानुल मुबारक का चांद देखने पर दिखाई देता है। हर कोई चांद देखने के लिए कोई अपनी छतों पर पहुंच जाते हैं और कोई बाहर या बगीचे में चले जाते हैं। उसे देखकर मुस्लिम समुदाय में उत्साह बढ़ जाता है और एक दूसरे को रमज़ानुल मुबारक की बधाई देने लगते हैं। चांद देखकर नियत में ख़ूलूस और सकारात्मक विचार आना चाहिए, चाहे कितनी लंबी लंबी तरावीह की नमाज़ें पढ़नी पड़ें ।इस बारे में कोई बच्चा जिसे रमज़ानुल मुबारक पहली बार आया है उसे हिम्मत के साथ सहरी में कुछ खा पीकर रोज़े रखना चाहिए। रमज़ानुल मुबारक विशेष मेहमान की हैसियत रखता है, मुस्लिम समुदाय इसका बड़ी बेसब्री से इंतज़ार किया करते हैं। उसके आगमन की तैयारी तय कर ली जाती है, लेकिन इस मेहमान के साथ हमारा नज़रिया ससुराल या मायके का मेहमान बनाकर नहीं करना चाहिए। मेहमान के नाते से मालूम है कि जब भी वह आता है तो वह कुछ न कुछ उपहार ज़रूर लाता है।

रमज़ानुल मुबारक भी उपहार लेकर आता है। वह उपहार ऐसा कि रमज़ानुल मुबारक में अच्छे और नेक कामों का सवाब 70 गुना या फिर कई गुना अधिक बढ़ा दिया जाता है, दान का फल कई गुना बढ़ जाता है। एक अच्छे काम का फल 70 गुना बढ़कर मिलता है, सुन्नतों को फ़राइज़ के बराबर कर दिया जाता है और फ़राइज़ को 70 गुना बढ़ा दिया जाता है। इस तरह हमारे लिए यह रमज़ानुल मुबारक बेशकीमती तोहफ़ा होता है और मुस्लिम समुदाय को रमज़ानुल मुबारक के इस उपहार की कद्र करना चाहिए। अल्लाह तआला ने पवित्र क़ुरआन में सूरह बक़र की पंक्ति क्र 183 से 188 तक रमज़ान के रोज़ों के आदेश और उसके उद्देश्यों का उल्लेख किया हैं। यथा रोज़ों से संबंधित इन पंक्तियों को समझना बहुत ज़रूरी है कि पवित्र क़ुरआन 2:183 के अनुसार "हे ईमान वालो!

तुमपर रोज़े (अर्थात रोज़े को अरबी भाषा में "सौम" कहा जाता है, जिस का अर्थ रुकना तथा त्याग देना है। इस्लाम में रोज़ा सन् दो हिजरी में अनिवार्य किया गया। जिस का अर्थ है प्रत्यूष (भोर) से सूर्यास्त तक रोज़े की निय्यत से खाने पीन तथा संभोग आदि चीजों से रुक जाना) उसी प्रकार अनिवार्य कर दिये गये हैं, जैसे तुमसे पूर्व के लोगों पर अनिवार्य किये गये, ताकि तुम अल्लाह से डरो। पवित्र क़ुरआन 2:184 में अल्लाह का फ़रमान है कि "वह गिनती के कुछ दिन हैं। फिर यदि तुममें से कोई रोगी अथवा यात्रा पर हो, तो ये गिनती, दूसरे दिनों से पूरी करे और जो उस रोज़े को सहन न कर सके अर्थात अधिक बुढ़ापे अथवा ऐसे रोग के कारण जिस से आरोग्य होने की आशा न हो तो प्रत्येक रोज़े के बदले एक निर्धन को खाना खिला दिया करें। वह फ़िद्या (प्रायश्चित्त) दे, जो एक निर्धन को खाना खिलाना है और जो स्वेच्छा भलाई करे, वह उसके लिए अच्छी बात है। यदी तुम समझो, तो तुम्हारे लिए रोज़ा रखना ही अच्छा है।" पवित्र क़ुरआन अगली पंक्ति 2:185, में अल्लाह का फ़रमान है कि "रमज़ान का महीना वह है, जिसमें क़ुरआन उतारा गया, जो सब मानव के लिए मार्गदर्शन है तथा मार्गदर्शन और सत्योसत्य के बीच अन्तर करने के खुले प्रमाण रखता है।

अतः जो व्यक्ति इस महीने में उपस्थित अर्थात अपने नगर में उपस्थित हो, वह उसका रोज़ा रखे, फिर यदि तुममें से कोई रोगी अर्थात रोग के कारण रोज़े न रख सकता हो। अथवा यात्रा अर्थात इतनी दूर की यात्रा पर हो जिस में रोज़ा न रखने की अनुमति हो पर हो, तो उसे दूसरे दिनों में गिनती पुरी करनी चाहिए। अल्लाह तुम्हारे लिए सुविधा चाहता है, तंगी (असुविधा) नहीं चाहता और चाहता है कि तुम गिनती पूरी करो तथा इस बातपर अल्लाह की महिमा का वर्णन करो कि उसने तुम्हें मार्गदर्शन दिया और (इस प्रकार) तुम उसके कृतज्ञ (इस पंक्ति में रोज़े की दशा तथा गिनती पूरी करने पर प्रार्थना करने की प्रेरणा दी गयी है) बन सको। आगे पवित्र क़ुरआन की 2:186 पंक्ति में अल्लाह का फ़रमान है कि (हे नबी!) जब मेरे भक्त मेरे विषय में आपसे प्रश्न करें, तो उन्हें बता दें कि निश्चय मैं समीप हूँ। मैं प्रार्थी की प्रार्थना का उत्तर देता हूँ। अतः, उन्हें भी चाहिये कि मेरे आज्ञाकारी बनें तथा मुझपर ईमान (विश्वास) रखें, ताकि वे सीधी राह पायें। फिर पवित्र क़ुरआन 2:187 में कहा गया कि तुम्हारे लिए रोज़े की रात में अपनी स्त्रियों से सहवास हलाल (उचित) कर दिया गया है। वे तुम्हारा वस्त्र (इस से पति पत्नि के जीवन साथी, तथा एक की दूसरे के लिये आस्थ्यक्ता को दर्शाया गया है) हैं तथा तुम उनका वस्त्र हो, अल्लाह को ज्ञान हो गया है कि तुम अपना उपभोग अर्थात पत्नि से सहवास कर रहे थे) कर रहे थे। उसने तुम्हारी तौबा (क्षमा याचना) स्वीकार कर ली तथा तुम्हें क्षमा कर दिया। अब उनसे (रात्रि में) सहवास करो और अल्लाह के (अपने भाग्य में) लिखे की खोज करो और रात्रि में खाओ तथा पिओ, यहाँ तक की भोर की सफेद धारी रात की काली धारी से उजागर हो (इस्लाम के आरंभिक युग में रात्रि में सो जाने के पश्चात् रमज़ान में खाने पीने तथा स्त्री से सहवास की अनुमति नहीं थी। इस आयत में इन सब की अनुमति दी गयी है।) जाये, फिर रोज़े को रात्रि (सूर्यास्त) तक पूरा करो और उनसे सहवास न करो, जब मस्जिदों में ऐतिकाफ़ (एकान्तवास) में रहो। ये अल्लाह की सीमायें हैं, इनके समीप भी न जाओ। इसी प्रकार अल्लाह लोगों के लिए अपनी आयतों को उजागर करता है, ताकि वे (उनके उल्लंघन से) बचें"। तत्पश्चात पवित्र क़ुरआन की 2:188 पंक्ति में अल्लाह ने फ़रमाया कि "तथा आपस में एक-दूसरे का धन अवैध रूप से न खाओ और न अधिकारियों के पास उसे इस धेय से ले जाओ कि लोगों के धन का कोई भाग, जान-बूझ कर पाप द्वारा खा जाओ। यहां पाप के अर्थ को इस प्रकार से लिया जा सकता है कि इस आयत में यह संकेत है कि यदि कोई व्यक्ति दूसरों के स्वत्व और धन से तथा अवैध धन उपार्जन से स्वयं को रोक न सकता हो, तो इबादत का कोई लाभ नहीं। विशेष कर इसमें कहा गया है कि तुम्हें सदाचार, तक़्वा अपनाना चाहिए। धर्मनिष्ठा, धर्मपरायणता प्राप्त करने के प्रयास करना चाहिए। वरना ऐसा न हो कि रमज़ान के इस महीने में तथाकथित रोज़ेदारों को भूख, प्यास और थकावट के अलावा कुछ भी न मिल सके। अल्लाह न करे कि हम में से कोई इस में शामिल हो सके बल्कि अल्लाह हमें रमजानुल मुबारक के रोज़ों का सर्वश्रेष्ठ ईनाम से नवाज़े। उपरोक्त पंक्तियों से यह बात भी खुलकर सामने आती है कि अल्लाह से हमें ऐसा इल्म व ज्ञान और रिज़्क़ मांगना चाहिए जिससे आम जनता को ज्यादा से ज्यादा लाभ मिल सके। इल्म व ज्ञान उन अर्थों में आता है कि अल्लाह हमें ऐसा उपयोगी ज्ञान दे जो हम सभी के लिए रोशनी का स्रोत बने, जो सही और ग़लत में फ़र्क कर सके। अरबी भाषा में इस नफ़े यानी लाभकारी और उपयोगी वह ज्ञान होता है जिससे ना सिर्फ़ अपने आप को फ़ायदा होता है बल्कि बल्कि परिवार, मित्रों और आमजन को उससे लाभ मिल सके। इल्म व ज्ञान के लिए ऐसी दुआ होना चाहिए जिससे कि आख़िरत (परलोक) में सफलता का ज़रिए बन सके। रमज़ानुल मुबारक में उपयोगी ज्ञान प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए। सबसे प्रामाणिक, सबसे व्यापक और उच्चतम साहित्यिक ज्ञान जो लाभकारी है वह पवित्र क़ुरआन में उल्लेखित किया गया है। इसलिए रमज़ानुल मुबारक के इस महीने में सबसे ज़्यादा पवित्र क़ुरआन से वास्ता रखना चाहिए। उपरोक्त पंक्तियों में तैयब रिज़्क का उल्लेख है।

अरबी में तय्यब शब्द को हलाल, वैध से परिभाषित किया गया है। अर्थात अल्लाह हमें हलाल, वैध जीविका दे की दुआ करना चाहिए। इसके के अंदर दूसरा अर्थ है खैर के यानी अल्लाह हमें अच्छी जीविका दे। गस के मद्देनजर हम पर यह ज़िम्मेदारी दी गई है कि पैसे ऐसे कमाएं जाएं जो हलाल हों और उन्हें जहां भी खर्च करना पड़ वह भी हलाल होना चाहिए। दौलत का संग्रह भी हलाल होना चाहिए ताकि जब परिवार, मित्र आदि खायें तो वे भी हलाल हो। खरीदारी और खर्च में हलाल तरीक़े ही होना चाहिए। हमें मालूम होना चाहिए कि इस्लाम भ्रष्टाचार अर्थात हराम द्वारा तैयार भोजन के निवाले के बारे में बात करता है तो हदीसों से पता चलता है कि हराम निवाला खाना, खुद खाना या अपने परिवार, मित्रों, जन साधारण को खिलाना वह कई प्रकार की आपदाओं का कारण बनता है और फिर इंसान के कर्म धर्म, ज्ञान अर्जन में बाधक बनते हैं। हराम खाना खाना इंसान की दुआ कबूल होने की राह में रुकावट बन जाता है। इसलिए हम में से किसी के पास किसी भी प्रकार का हराम माल है तो सर्वप्रथम उस संपत्ति को हलाल करना होगा। दुआ है कि इस रमज़ानु मुबारक में अल्लाह हम सभी को बेहतर इबादत करने हलाल जीविका अर्थात भ्रष्टाचार रहित माल दौलत कमाने और ख़र्च करने की तौफ़ीक अता फ़रमाए। अल्लाह हमारी जीविका को उत्तम बना दे।

ईईसीपी थेरेपी से बिना बाईपास ऑपरेशन के हृदय रोगी को मिला नया जीवन

डॉ. सचिन देव्हारे
संचालक
प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजिस्ट और मुग्धा ईईसीपी हार्ट केयर सेंटर

Dr Devhare's
US-FDA Approved
MUGDHA EECP & HEART CARE CENTER
"A Non Invasive Treatment For Coronary Artery Disease"

नागपुर. हृदय रोग के गंभीर मामले में जहां बाईपास सर्जरी भी संभव नहीं थी, वहां नागपुर के प्रसिद्ध प्रीवेंटिव कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. सचिन देव्हारे द्वारा ईईसीपी थेरेपी से मरीज का सफल उपचार किया गया। मनीष नगर, बेसा निवासी रामेश्वर लोहकरे को पिछले तीन वर्षों से चलने में कठिनाई, सांस फूलना, छाती में दर्द और घबराहट जैसी समस्याएं हो रही थीं। कई तरह के इलाज के बावजूद उनकी स्थिति में सुधार नहीं हुआ। जब उनकी एंजियोग्राफी कराई गई, तो पता चला कि उनकी तीनों हृदय नलिकाएं 80% से 95% तक बंद थीं, जबकि मुख्य एलईडी नलिका 100% तक अवरुद्ध थी और आरसीई 95% तक डिफ्यूज तरीके से बंद थी।

बाईपास सर्जरी भी थी असंभव

चिकित्सकों ने बाईपास सर्जरी की सलाह दी, लेकिन एलएडी नलिका पूरी तरह बंद होने के कारण कार्डियक सर्जनों ने ऑपरेशन की जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया। ऐसे में उनकी पत्नी ने सर्जरी का जोखिम न लेते हुए डॉ. सचिन देव्हारे के "मुग्धा ईईसीपी एंड हार्ट केयर सेंटर" में परामर्श लिया। डॉ. देव्हारे ने बताया कि ईईसीपी थेरेपी पूरी तरह से एलोपैथिक है और इसे मेडिकल साइंस में मान्यता प्राप्त है। यह उपचार हृदय में रक्त प्रवाह को प्राकृतिक रूप से बढ़ाने में मदद करता है, जिससे मायोकार्डियल परफ्यूजन और एक्सरसाइज कैपेसिटी में सुधार होता है।

ईईसीपी थेरेपी से मिला राहत

लोहकरे ने 50 ईईसीपी सेशंस और 20 एक्ट इंजेक्शन के साथ उपचार शुरू किया। इसके साथ ही लाइफस्टाइल और डाइट में बदलाव किया गया। उनकी पत्नी ने उनके लिए जीरो ऑयल फूड की व्यवस्था की। उपचार के महज 10 दिनों में ही उनके लक्षणों में सुधार दिखने लगा। सांस फूलना, छाती में जलन और दर्द काफी कम हो गया। जो मरीज 100 मीटर भी चलने में असमर्थ थे, वे अब 2 किलोमीटर तक मॉर्निंग वॉक करने लगे और छाती में दर्द महसूस नहीं हुआ। डॉ. देव्हारे ने बताया कि चाहे एंजियोप्लास्टी हो, बाईपास सर्जरी हो या ईईसीपी थेरेपी, इनमें से किसी भी उपचार में हृदय के ब्लॉकेज को निकाला नहीं जाता, बल्कि रक्त प्रवाह को बेहतर बनाया जाता है।

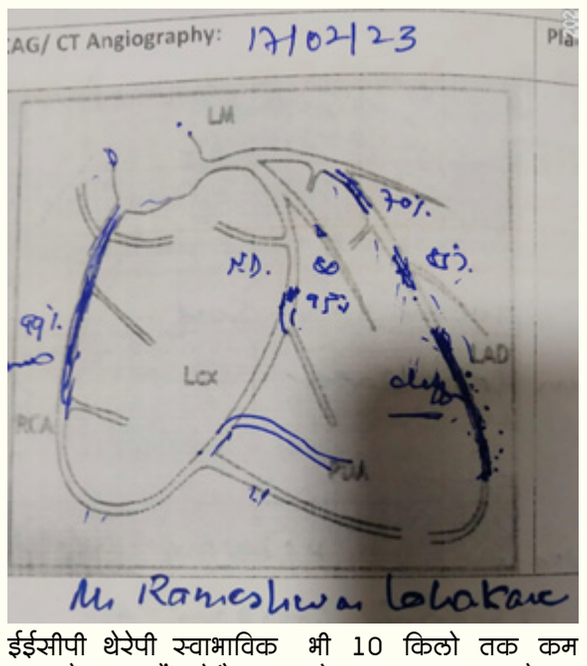

ईईसीपी थेरेपी स्वाभाविक रूप से हृदय में कोलैटरल डेवलपमेंट कर रक्तसंचार को बढ़ाती है और हृदय की मांसपेशियों को मजबूत बनाती है।

स्वास्थ्य में व्यापक सुधार

उपचार के अंत तक लोहकरे की शुगर, कोलेस्ट्रॉल और वजन नियंत्रण में आ गया। उनकी शुगर की दवाइयां कम हो गईं, छाती के दर्द की दवाइयों की जरूरत खत्म हो गई और वजन भी 10 किलो तक कम हो गया। आज, रामेश्वर लोहकरे पिछले दो वर्षों से पूरी तरह स्वस्थ जीवन जी रहे हैं। वे सभी हृदय रोगियों को बाईपास सर्जरी से पहले ईईसीपी थेरेपी का परामर्श लेने की सलाह दे रहे हैं। लोहकरे और उनके परिवार ने डॉ. सचिन देव्हारे, डॉ. रीता देव्हारे और मुग्धा ईईसीपी हार्ट केयर सेंटर की पूरी टीम का आभार व्यक्त किया।

व्यंग्य

अमित शर्मा

भैया! सही-सही लगाओ

❍ "सस्ता रोये बार बार, मँहगा रोये एक बार" यह कहावत सदियों से (पैदल)चली आ रही है लेकिन इस कहावत से पूंजीवादी होने की बदबू, 1600 सीसी इंजन वाली गाड़ी की गति की तरह तेज़ आती है, जो हमारे समाजवादी समाज की नाक में दम और दमा दोनों करने का माद्दा रखती है। इस कहावत को कभी भी हमने ईवीएम या बैलट पेपर से स्पष्ट बहुमत देकर लोकतांत्रिक स्वीकृति और इज़्ज़त नहीं बख्शी। वस्तुओं के मूल्यों को सस्ता करवाने के कीड़े ने, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ उठाए बिना ही हमारे शरीर में घर बना रखा है, जो मौका- मौका चिल्लाते हुए खरीददारी करते समय, शरीर के उचित स्थानों पर सम्मानपूर्वक काटता रहता है। मूल्य सस्ता करवाना या मूल्य सस्ता ना करना दोनों के पीछे सस्ती मानसिकता,दमकल की गाड़ी की तरह लगी होती है। सस्तानुरागी लोग अपने परिवार से ज़्यादा अपनापन, 'सस्तेपन' से रखते हैं। "सस्तानुरागी पंथ" के अनुयायी हर चीज़ सस्ती करवाना, अपने पंथ के मूल्यों और सेंसेक्स के स्वास्थ्य और सम्मान के लिए पोलियो टीकाकरण की तरह ज़रूरी समझते हैं। सस्तानुरागी पंथ की स्थापना किसके करकमलों द्वारा हुई यह ठीक ठीक कहना और सुनना भारत के ओलम्पिक में स्वर्ण पदक जीतने की तरह मुश्किल है।

हड़प्पा और हडीप्पा संस्कृति की जुदाई और फिर जेसीबी मशीन से उनकी खुदाई में आजतक कोई शिलालेख या मुन्नीलेख नहीं मिला जिससे यह पता चल सके सस्तानुरागी पंथ की स्थापना के पीछे किस जहाँपना की साज़िश थी।

सुई से लेकर तलवार तक, हम हर जगह महंगाई पर वार करने की क्षमता और बेशर्मी, स्टॉक करके रखते हैं। दुकानों पर टंगे हुए फिक्स रेट के बोर्ड को हम ठीक उसी तरह इग्नोर कर देते हैं जिस तरह से दीवारों पर लिखे "यहाँ पेशाब ना करें" के संदेश को इग्नोर किया जाता है।सब्ज़ी मार्केट हो या ज्वेलरी मार्केट, किसी भी दुकान में प्रवेश करने पर सबसे पहले हम अपनी चप्पल और मोलभाव करने का अधिकार बाहर निकालते हैं और फिर ताव खा कर, भाव कम कराने की पूरी कोशिश करते हैं। भाव भले ही पहले से उचित क्यों ना लेकिन सस्तानुरागी लोग फिर भी उसे कम करवाने का हर अनुचित प्रयास करते हैं। दुकानदार द्वारा बताई गई कीमत पर कोई वस्तु खरीदना सस्तानुरागी लोगों की खुद्दारी और ईमानदारी के लिए जानलेवा साबित होता है।

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशकः फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादकः इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

महाराष्ट्र में बड़े उलटफेर के संकेत

> उद्धव गुट कर रहा फडणवीस की तारीफ

मुंबई.

महाराष्ट्र की राजनीति में उभर रहे नए समीकरणों से राज्य में बड़े बदलाव आने के संकेत मिलने लगे हैं। शिवसेना के मुखपत्र सामना में संजय राउत की मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की तारीफ और एनसीपी (शरद पवार) के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल की भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले से हुई मुलाकात को काफी अहम माना जा रहा है। इसके पहले हाल में ही एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शरद पवार का करीब आना भी काफी महत्वपूर्ण है।

महाराष्ट्र विधानसभा में भाजपा नेतृत्व वाली महायुति की भारी जीत के बाद विपक्ष के हौसले पस्त हो गए थे। मुख्यमंत्री बने भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने सरकार के दोनों सहयोगी दलों शिवसेना (शिंदे) और एनसीपी (अजित पवार) को साथ में रखा हुआ है। हालांकि, शिवसेना शिंदे के नेता और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ सामंजस्य की कमी कई बार सामने आई है। इसका दोनों तरफ से खंडन तो किया गया है, लेकिन मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद शिंदे सहज नहीं दिख रहे हैं। ऐसे में शरद पवार और शिवसेना (उद्धव ठाकरे) के साथ उभर रहे नए समीकरण शिंदे के लिए और चिंता बढ़ा सकते हैं।

महाराष्ट्र में स्थानीय निकायों में महायुति को बड़ी जीत दिलाने के लिए फडणवीस कड़े कदम उठा रहे हैं, जिनमें मंत्रियों के निजी सहायकों की नियुक्ति का मामला अहम है। शिंदे गुट के कई मंत्रियों के निजी सहायकों के लिए आए विवादित नामों को फडणवीस ने रोक दिया है। इस काम की सामना में तारीफ की गई है। संजय राउत ने सामना में इस पर एकनाथ शिंदे पर निशाना भी साधा है।

सूत्रों का कहना है शिवसेना (उद्धव ठाकरे) का एक तबका भाजपा के साथ आने की कोशिश में है और वह इसके लिए शिंदे गुट को भड़काने का काम कर रहा है। फिलहाल, भाजपा भी इससे शिंदे को संदेश देकर समीकरण साध रही है।

शरद पवार भी कमजोर पड़ रहे

एनसीपी (शरद पवार) के नेता शरद पवार के साथ प्रधानमंत्री मोदी का बेहद सदाशयता भरा व्यवहार और उसके बाद उसके प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल की भाजपा अध्यक्ष बाबनकुले के साथ मुलाकात के भी राजनीतिक मायने हैं। इससे भाजपा कांग्रेस को झटका देने के साथ महाविकास आघाड़ी को आगामी निकाय चुनाव में और कमजोर करने में जुटा है। शरद पवार भी राज्य की राजनीति में कमजोर पड़ रहे हैं। ऐसे में उनको भी नए फैसले लेने पड़ सकते हैं।

25 लाख रुपये के लिए बिजनेसमैन का किया किडनैप

> मुंबई पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया

मुंबई. मुंबई की वकोला पुलिस ने एक बुजुर्ग बिजनेसमैन के किडनैपिंग के मामले का खुलासा किया है. पुलिस ने कांदिवली और राम मंदिर इलाके से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है. साथ ही पीड़ित को भी सुरक्षित रेस्क्यू किया. पुलिस ने बताया कि पीड़ित कपड़ा व्यापारी हैं और अक्सर कच्छ और मुंबई के बीच यात्रा करता रहते हैं. पुलिस ने बताया कि 20 फरवरी को मुंबई पहुंचने पर उसे एक परिचित ने बहला-फुसलाकर अपने दो साथियों की मदद से अगवा कर लिया. इसके बाद आरोपियों ने व्यापारी के बेटे से 25 लाख रुपये की फिरौती की मांगी की थी. इसके बाद पीड़ित के परिवार ने नजदीकी वकोला पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई.

इसके बाद वाकोला पुलिस ने अज्ञात शख्स के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू की. वहीं जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के जरिए अपराधियों की पहचान की और उन्हें गिरफ्तार कर लिया. वकोला पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई थी, जिसने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया.

पुलिस के मुताबिक, आरोपी मुंबई के राम मंदिर इलाके के एक इमारत के रूम में पाए गए, जहां पीड़िता को बंदी बनाकर रखा गया था. गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान राधेश्याम मेवालाल सोनी (30), सतीश नंदलाल यादव (33) और धर्मेंद्र रामपति रविदास (40) के रूप में हुई है. पुलिस जांच के दौरान पता चला कि पीड़ित का परिचित राधेश्याम उसकी वित्तीय स्थिति से वाकिफ था.

वह पहले भी उसके गृहनगर जा चुका था और उसकी संपत्ति के बारे में जानकारी जुटा चुका था. उसने व्यापारी को उसके व्यापार से जुड़ी बातचीत के लिए बुलाया और राम मंदिर स्टेशन के पास एक ऑफिस में ले गया. वहां पहुंचकर आरोपियों ने पीड़ित का फोन बंद कर दिया और दो अन्य लोगों की मदद से उसका अपहरण कर लिया. इसके बाद आरोपियों ने पीड़ित के बेटे से 25 लाख की मांग की और पुलिस को सूचना देने पर उसे जान से मारने की धमकी दी. पीड़ित को मूल रूप से शेयर बाजार संचालन के लिए स्थापित एक कार्यालय में बंदी बनाकर रखा गया था. सामने का हिस्सा कार्यालय के रूप में काम करता था, जबकि पीछे का हिस्सा व्यवसायी को हिरासत में रखने के लिए इस्तेमाल किया जाता था. पुलिस ने सबसे पहले कांदिवली के लालाजी पाड़ा इलाके से राधेश्याम को गिरफ्तार किया, जिसके बाद वे बाकी आरोपियों तक पहुंचे औरपीड़ित को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया और तीनों अपहरणकर्ताओं को हिरासत में लेकर गिरफ्तार किया गया.

मर्सिडीज गिफ्ट' वाला बयान देकर फंसीं नीलम गोरे?

मुंबई.

महाराष्ट्र विधान परिषद की सदस्य और उप सभापति नीलम गोरे के एक बयान से शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे नाराज दिख रहे हैं. नीलम गोरे के 'मर्सिडीज़' वाले बयान के तीन दिन बाद अब शिवसेना यूबीटी की ओर से उन्हें लीगल नोटिस भेजा गया है. उद्धव गुट का दावा है कि नीलम गोरे ने अपने बयान से न केवल उद्धव ठाकरे बल्कि अविभाजित शिवसेना की छवि खराब करने की भी कोशिश की है.

दरअसल, रविवार (23 फरवरी) को मराठी साहित्य सम्मेलन में भाषण देते हुए नीलम गोरे ने दावा किया था कि अविभाजित शिवसेना में बड़े पद पाने के लिए नेताओं को उद्धव ठाकरे को मर्सिडीज गाड़ियां गिफ्ट करनी पड़ती थीं.

शिवसेना यूबीटी नेता सुषमा अंधारे की ओर से एडवोकेट असीम सरोड़े ने नीलम गोरे को लीगल नोटिस जारी किया है. नोटिस में कहा गया है कि नीलम गोरे ने शिवसेना यूबीटी और पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे के खिलाफ मानहानिकारक बयान दिया है और अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन जैसे बड़े मंच से उनका अपमान किया गया है.

नोटिस में इस बात का जिक्र है कि नीलम गोरे दावा करती हैं कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में जब अविभाजित शिवसेना थी, तब महत्वपूर्ण पद केवल उन्हें मिलते थे, जो ठाकरे को मर्सिडीज कार गिफ्ट करते थे. वहीं, उन्होंने यह भी दावा किया था कि पार्टी के अंदर नियुक्ति केवल उन लोगों की हुई जिन्होंने उद्धव ठाकरे को अपनी आर्थिक ताकत दिखाई. नोटिस में लिखा गया है कि ये सब बेतुके बयान हैं और अविभाजित शिवसेना की छवि खराब करने के उद्देश्य से दिए गए हैं.

नोटिस में लिखा गया है कि नीलम गोरे के बयान को मीडिया में दिखाया गया है, जिससे शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे की छवि खराब हुई है. वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश प्रभु ने भी उस सम्मेलन में भाषण दिया, लेकिन कोई भी आपत्तिजनक बयानबाजी नहीं की.

ऐसे बयान के लिए साहित्यिक मंच को चुना जाना गलत

नोटिस में यह भी कहा गया है, ''यह अफसोसजनक है कि आपने (नीलम गोरे) आधारहीन आरोप लगाने और प्रमुख उद्धव बालासाहेब ठाकरे के साथ-साथ तत्कालीन अविभाजित शिवसेना को बदनाम करने के लिए साहित्यिक मंच को चुना है.''

नोटिस में यह भी लिखा गया है कि अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन के आयोजकों ने भी सार्वजनिक रूप से नीलम गोरे के बयान पर अपनी नाराजगी व्यक्त की थी. उन्होंने कहा था कि 'हम किसी को भी ऐसे बयान देने से नहीं रोक सकते लेकिन हम उनसे साहित्यिक सम्मेलनों का सम्मान करने की उम्मीद करते हैं. यह स्थान ऐसे आरोप लगाने के लिए नहीं था.

भारत-पाक मैच के दौरान लगाए 'देश विरोधी' नारे

> दुकान पर चला बुलडोजर

मालवण.

महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले के मालवण शहर में एक 15 वर्षीय लड़के और उसके माता-पिता को हिरासत में लिया गया है। यह कार्रवाई रविवार को भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच के दौरान कथित तौर पर "राष्ट्र-विरोधी" नारे लगाने की शिकायत के बाद की गई। इसके साथ ही, स्थानीय प्रशासन ने परिवार की कबाड़ की दुकान को भी बुलडोजर से ढहा दिया।

सिंधुदुर्ग के पुलिस अधीक्षक सौरभ अग्रवाल ने बताया कि घटना रविवार रात करीब 9:30 बजे की है, जब मैच चल रहा था। एक राहगीर ने दावा किया कि उसने लड़के को "राष्ट्र-विरोधी" नारे लगाते सुना। इसके बाद राहगीर और पड़ोसियों ने परिवार से बहस की, जो बाद में झड़प में बदल गई। स्थानीय लोगों की शिकायत के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की। चूंकि लड़का नाबालिग है, उसे सुधार गृह भेज दिया गया, जबकि उसके माता-पिता को गिरफ्तार कर सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पुलिस ने परिवार के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 196 (धर्म के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना), 197 (राष्ट्रीय एकता के लिए हानिकारक बयान देना) और 3(5) (साझा इरादे से कई व्यक्तियों द्वारा किया गया कार्य) के तहत मामला दर्ज किया है। सोमवार को स्थानीय निवासियों ने परिवार के खिलाफ मोटरसाइकिल रैली निकाली और आगे की कार्रवाई की मांग की। उत्तर प्रदेश का रहने वाला यह परिवार 15 साल पहले मालवण में आकर बस गया था।

सोमवार को मालवण नगर परिषद ने परिवार की स्क्रैप दुकान को यह कहते हुए ढहा दिया कि यह अवैध रूप से बनाई गई थी। इस कार्रवाई के दौरान परिवार का एक वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानीय शिवसेना विधायक नीलेश राणे ने इस कार्रवाई का स्वागत किया और सोशल मीडिया पर दुकान के विध्वंस की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने परिवार को "बाहरी" करार देते हुए कहा, "हमने उनकी अवैध दुकान को नष्ट कर दिया है और आगे उन्हें जिले से बाहर निकालने की कोशिश करेंगे।"

मालवण लॉयर्स बार एसोसिएशन ने भी घोषणा की कि वे इस मामले में परिवार का प्रतिनिधित्व नहीं करेंगे। यह घटना भारत-पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी मैच के दौरान हुई, जिसमें भारत ने पाकिस्तान को छह विकेट से हराया था। इस मामले ने सोशल मीडिया पर भी बहस छेड़ दी है, जहां कुछ लोग कार्रवाई का समर्थन कर रहे हैं, तो कुछ इसे कानून और नैतिकता के खिलाफ बता रहे हैं। जांच अभी जारी है।

मुंबई के डिफेंस क्लब में 78 करोड़ की हेराफेरी!

> एनजीओ समेत दो लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

मुंबई.

मुंबई के कोलाबा में डिफेंस द्वारा संचालित प्रतिष्ठान यूनाइटेड सर्विसेज क्लब (यूएस क्लब) में 77.52 करोड़ रुपये की बड़ी वित्तीय धोखाधड़ी का पता चला है.

कोलाबा स्थित यूनाइटेड सर्विसेज क्लब 97 साल पुराना ट्राई-सर्विसेज क्लब है. कुछ महीने पहले इसका नियमित ऑडिट हुआ तो क्लब के सचिव को कुछ गड़बड़ियां नजर आई.इसके बाद क्लब प्रबंधन के निर्देश पर वित्तीय खातों की विस्तृत जांच की गई जिसमें महत्वपूर्ण विसंगतियां पाई गईं.

नौसेना की आधिकारिक शिकायत के बाद, धोखाधड़ी और जालसाजी के लिए दो लोगों और एक गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. शिकायत के अनुसार, आरोपी जनवरी 2005 से अक्टूबर 2024 के बीच क्लब में वित्तीय अनियमितताओं में शामिल थे, जिससे संस्था को काफी आर्थिक नुकसान हुआ.

नौसेना अफसर ने दर्ज कराई शिकायत

पुलिस विभाग के सूत्रों ने पुष्टि करते हुए बताया नौसेना के सेवारत अधिकारी कैप्टन विष्णुसौरभ शर्मा (54) ने मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) में शिकायत दर्ज कराई है. मामले की फिलहाल जांच की जा रही है, जिसकी शुरुआती कार्यवाही कफ परेड पुलिस स्टेशन द्वारा की जा रही है.

सूत्रों ने खुलासा किया कि कुछ महीने पहले किए गए नियमित ऑडिट के दौरान धोखाधड़ी का पता चला. क्लब सचिव द्वारा आगे की आंतरिक समीक्षा के बाद, एक विशेष ऑडिट का आदेश दिया गया, जिसमें बड़े पैमाने पर वित्तीय विसंगतियों का खुलासा हुआ.

भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है, जिसमें धारा 316 (4), 336 (2), 344 और 61 (2) शामिल हैं. आगे की जांच चल रही है.

रायगढ़ में थीम पार्क घूमने गए 14 साल के छात्र की हार्ट अटैक से मौत

रायगढ़.

महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में नगरपालिका स्कूल के 14 वर्षीय छात्र की एक 'थीम पार्क' में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई. छात्र वहीं कई अन्य स्टूडेंट्स के साथ घूमने गया था. पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी. एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना मंगलवार को उस समय हुई जब घनसोली के निगम स्कूल के छात्र घूमने के लिए खोपोली स्थित 'इमेजिका थीम पार्क' गए थे.

उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान आठवीं कक्षा के छात्र आयुष धर्मेंद्र सिंह को बेचैनी महसूस होने लगी और वह बेंच पर बैठ गया और फिर अचानक बेहोश हो गया. अधिकारी ने बताया कि छात्र को पार्क के कर्मचारियों और शिक्षकों की मदद से परिसर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया. इसके बाद आयुष धर्मेंद्र सिंह को एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

पुलिस ने दर्ज किया मामला

उन्होंने बताया कि सरकारी मेडिकल अधिकारी की मौजूदगी में पोस्टमार्टम किया गया, जिसमें पता चला कि छात्र की मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई. खालापुर पुलिस स्टेशन में आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया गया है. डॉक्टरों का कहना है कि यह घटना बेहद दुखद है और बच्चों के साथ टूर पर जाने वाले स्कूलों के लिए एक चेतावनी है.

ऐसे में जरूरी है कि बच्चों की सेहत का पूरा ध्यान रखा जाए और किसी भी तरह की आपात स्थिति से निपटने के लिए पहले से तैयारी की जाए. टूर पर जाने से पहले बच्चों की मेडिकल हिस्ट्री की जानकारी होनी चाहिए और साथ ही एक मेडिकल किट भी जरूरी है. बच्चों को ज्यादा भागदौड़ वाले खेलों में शामिल होने से पहले उनकी शारीरिक क्षमता का ध्यान रखना चाहिए.

ऑटो ड्राइवर ने पिलाया नशीला पदार्थ और फिर किया दुष्कर्म

रत्नागिरी. महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में एक 19 वर्षीय नर्सिंग ट्रेनी के साथ कथित तौर पर एक ऑटो-रिक्शा चालक ने बलात्कार किया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पीड़िता ऑटो-रिक्शा से घर जा रही थी, तभी चालक ने उसे पीने के लिए पानी दिया। पानी में नशीला पदार्थ मिले होने के कारण किशोरी बेहोश हो गई। इसके बाद चालक ने कथित तौर पर पीड़िता को एक सुनसान जगह पर ले जाकर उसका यौन उत्पीड़न किया। होश में आने पर पीड़िता ने अपने परिवार को इसकी जानकारी दी और बाद में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। एफआईआर दर्ज कर ली गई है और पुलिस आरोपी की तलाश के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। महिला सरकारी अस्पताल में भर्ती है और उसका इलाज चल रहा है। इस घटना के बाद इलाके में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। स्थानीय निवासियों ने मामले में त्वरित कार्रवाई की मांग करते हुए कल रात कई घंटों तक सड़क जाम कर दी।

आज का राशिफल

मेष- आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। दोपहर तक आपको कोई अच्छी खबर मिल सकती है। विरोधी आज आपके बारे मे अफवाहें फ़ैलाने के लिए तैयार बैठे हैं ऐसा कोई मौका ही न दें।

वृषभ -आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज पूरा दिन माता-पिता के साथ बितेगा। जिन सीमित विचारों की वजह से आप विचार के दायरे से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं

मिथुन -आज आपका दिन अच्छा रहेगा। राजनीति से जुडे लोगों के लिए आज का दिन अच्छा है समाज हित में किये गये कामों की तारीफ़ होगी।

कर्क -आज आपके दिन की शुरुआत खुशियों से भरी होगी। आज अन्य लोगों की समस्याओं को सुलझाने पर आपका ध्यान रहेगा, इस कारण व्यक्तिगत जीवन की कुछ बातों को नजरअंदाज न करें।

सिंह -आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे। आप जिन कामों को करने के लिए सोचेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फायदा दे सकते हैं।

कन्या- आज भाग्य का आपको पूरा-पूरा साथ मिलेगा। ऑफिस में अपनी प्रगति के बारे में विचार करेंगे। आज शांति से कामकाज निपटाने की कोशिश करेंगे तो बिना गड़बड़ के काम समय से पूरा हो जायेगा।

तुला -आज आपका दिन शानदार रहेगा। ऑफिस के किसी काम को लेकर बॉस आपको सलाह देंगे, जो आपके लिए कारगर साबित होगा। आज किसी से भी बेवजह मजाक करने से आपको बचना चाहिए।

वृश्चिक- आज आपका दिन लकी रहेगा। आज आप जो भी करें, अच्छे से समझकर करें, फायदा होगा । सरकारी कामों में किसी अनुभवी से सलाह मिल सकती है,

धनु- आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए आज का दिन बढ़िया है। आज आपको किसी सम्मानित व्यक्ति से मिलने का मौका मिल सकता है।

मकर- आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज थोड़ी मेहनत से किसी बड़े फायदे का योग बन रहा है। जीवनसाथी की मदद से आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा।

कुंभ- आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज किसी ऐसे मित्र से कॉल पर बात होगी, जिससे पुरानी यादें ताजा हो जाएगी। आज पिछली बातों की वजह से मन उलझन में रहेगा

मीन -आज आपका दिन नई सौगात लेकर आया है। आज करियर संबंधी शुभ समाचार मिलेगा, जिससे घर का वातावरण खुशनुमा हो जायेगा।

खड़ी बस में रेप के आरोपी की तलाश में

> लगाई गईं 13 टीमें
> एक लाख के इनाम का ऐलान

पुणे.

महाराष्ट्र के पुणे शहर के व्यस्त स्वर्गेट बस स्टैंड पर खड़ी राज्य परिवहन बस के अंदर कथित तौर पर एक व्यक्ति ने 26 वर्षीय महिला के साथ रेप किया. मामला मंगलवार सुबह के वक्त का है. वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गया. महिला ने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है.

स्वर्गेट पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि मामले में आरोपी की पहचान दत्तात्रेय गाडे के रूप में हुई है. आरोपी के खिलाफ पहले से ही चोरी और चेन स्नैचिंग के मामले दर्ज हैं. स्वर्गेट महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम के सबसे बड़े बस जंक्शन्स में से एक है.

जांच में जुटीं पुलिस की 13 टीम

आरोपी दत्तात्रेय गाडे के खिलाफ शिरुर, शिकारपुर और स्वारगेट पुलिस स्टेशन में पहले भी आपराधिक मामले दर्ज हैं. स्वारगेट पुलिस स्टेशन में जेबकतरी (आईपीसी 379) का मामला दर्ज किया गया था. फिलहाल, पुणे क्राइम ब्रांच की 13 टीम आरोपी की तलाश में जुटी हैं, साथ ही डॉग स्क्वॉड भी भेजा गया है.

आरोपी पर 1 लाख का इनाम

पुणे जोन २ डीजीपी स्मार्टाना पाटिल मामले पर बयान देते हुए कहा, "आरोपी ने मास्क लगाया था, इसलिए चेहरा पहचान में नहीं आ पा रहा था, बाद में फेस रिकॉग्नाइज हुआ. हमारी टीम जल्द ही आरोपी को पकड़ लेगी. जो आरोपी के बारे में बताएगा, उसको 1 लाख रुपए का अवार्ड दिया जाएगा. बस को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है.

एनसीडब्ल्यू ने लिया संज्ञान

एजेंसी के मुताबिक, पुलिस ने बुधवार को बताया कि राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) ने पुणे में खड़ी राज्य परिवहन बस के अंदर 26 वर्षीय महिला के साथ कथित रेप का स्वतः संज्ञान लिया है और महाराष्ट्र के अधिकारियों से मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग की है.

एक अधिकारी ने कहा कि एनसीडब्ल्यू एनसीपी की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम के स्वर्गेट डिपो में मंगलवार सुबह हुई घटना के संबंध में पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखा है. मामले का आरोपी दत्तात्रेय रामदास गाडे (36) एक हिस्ट्रीशीटर है, जो साल 2019 से जमानत पर बाहर था. वह फरार है और पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए आठ टीमें बनाई हैं.

एनसीडब्ल्यू अध्यक्ष ने डीजीपी को तीन दिन के अंदर एफआईआर की कॉपी के साथ आयोग को कार्रवाई रिपोर्ट सौंपने को कहा है. एक बयान में आयोग ने कहा कि वह इस जघन्य अपराध की कड़ी निंदा करता है. इस घटना से सार्वजनिक सुरक्षा और कानून प्रवर्तन उपायों के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा होती हैं.

रहाटकर ने पुलिस अधिकारियों को घटना की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है, जिससे देरी या लापरवाही की कोई गुंजाइश न रहे.

प्रोटेस्ट और तोड़फोड़

शिवसेना कार्यकर्ताओं के एक समूह ने कथित लापरवाही के खिलाफ विरोध जताते हुए स्वारगेट बस स्टैंड पर सुरक्षा गार्ड केबिन में तोड़फोड़ की. कई कार्यकर्ताओं ने सुरक्षा कार्यालय के अंदर खिड़की के शीशे और फर्नीचर तोड़ दिए, जबकि महिला कार्यकर्ताओं ने इस घटना को लेकर बीजेपी के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की.

शिवसेना (यूबीटी) नेता वसंत मोरे ने कहा, "अगर किसी महिला के साथ सुरक्षा केबिन के सामने रे होता है, तो किसी को भी वहां बैठने का अधिकार नहीं है. एजेंसी के मुताबिक, मोरे ने कहा, "यह घटना सुरक्षा केबिन के सामने हुई. अगर किसी महिला के साथ सुरक्षा केबिन के सामने बलात्कार होता है, तो किसी को भी वहां बैठने का अधिकार नहीं है.

पुणे एयरपोर्ट पर 3.5 करोड़ की विदेशी मुद्रा के साथ दो गिरफ्तार

> हवाला रैकेट के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

पुणे. पुणे विमानतल पर 17 फरवरी को तीन महिलाएं चार लाख अमेरिकी डॉलर (करीब 3.5 करोड़ रुपए) सहित कुछ अन्य देशों की मुद्राओं के साथ पकड़ी गईं।

अन्य देशों की विदेशी मुद्राएं छुपाकर भेजी गई

ये महिलाएं दुबई से पुणे पहुंची स्पाइस जेट के विमान से आई थीं। इनके दो ट्रॉली बैगों में पुस्तकों के पन्नों के बीच डॉलर एवं कुछ अन्य देशों की विदेशी मुद्राएं छुपाकर भेजी गई थीं। इस मामले में महिलाओं के जलिए ये राशि भेजनेवाली पुणे की ट्रैवेल एजेंट खुशबू अग्रवाल एवं उसके एक साथी मोहम्मद आमिर को गिरफ्तार कर लिया गया है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार तीन महिलाओं जसलीन कौर गुरुदत्ता, आंचल राजेश मित्तल और साक्षी दीपेश शाह ने खुशबू की ट्रैवेल एजेंसी से अपने लिए दुबई जाने एवं लौटने का टिकट बुक कराया था। उनकी यात्रा से कुछ ही मिनट पहले खुशबू ने उन्हें अपने साथ दो ट्रॉली बैग ले जाने का अनुरोध किया और कहा कि ये उसके दुबई कार्यालय में पहुंचने आवश्यक हैं।

कस्टम विभाग ने जब्त की राशि

इंडिगो की फ्लाइट से दुबई पहुंचने पर दुबई विमानतल पर वहां के कस्टम विभाग ने ये राशि जब्त की, तो महिलाएं इसके बारे में संतोषजनक उत्तर नहीं दे सकीं। तब इन्हें दुबई से स्पाइसजेट के विमान से वापस पुणे भेज दिया गया।

दुबई भेजी जा रही थी राशि

17 फरवरी को पुनः पुणे पहुंची तीनों महिलाओं से एयर इंटेलिजेंस यूनिट (एआईयू) ने ट्रॉली बैग जब्त कर पूछताछ की, तो उसे ट्रैवेल एजेंट खुशबू अग्रवाल के बारे में पता चला। तब पुणे पुलिस की मदद से खुशबू अग्रवाल एवं उसके साथी मोहम्मद आमिर को गिफ्तार कर शिवाजी नगर कोर्ट में पेश किया, जहां से दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

खुशबू ने पूछताछ में बताया है कि उसने 3,46,88,670 रुपए मोहम्मद आमिर से एक्सचेंज कराए थे। यही राशि डॉलर एवं अन्य विदेशी मुद्राओं के रूप में दुबई भेजी जा रही थी।

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, शुक्रवार, 28 फरवरी 2025

जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

टीसीओसी के दौरान दो कट्टर माओवादियों ने पुलिस और सीआरपीएफ के समक्ष किया आत्मसमर्पण

एक डीवीसीएम और एक पार्टी सदस्य रैंक के माओवादीयों ने गढ़चिरोली पुलिस और सीआरपीएफ के समक्ष आत्मसमर्पण किया

• उन पर कुल 18 लाख रुपये का इनाम था

गढ़चिरोली.

माओवाद के खोखले दावों से निराश और नागरिकों के खिलाफ उनकी नासमझ हिंसा से निराश, प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के बड़ी संख्या में सदस्य महाराष्ट्र सरकार द्वारा 2005 से लागू की गई आत्मसमर्पण सह पुनर्वास नीति की ओर आकर्षित हुए हैं। इस नीति के प्रभावी कार्यान्वयन के कारण, आज तक कुल 702 सक्रिय माओवादियों ने गढ़चिरौली पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। आज यानी 27/02/2025 को दो कट्टर माओवादी यानी. 1) कांता उर्फ कंटक्का उर्फ मंडी गालू पल्लो (डीवीसीएम, सप्लाई टीम), उम्र-56 वर्ष, निवासी गुडंजूर (रीठ), तहसील भामरागढ़, जिला गढ़चिरौली और 2) सुरेश उर्फ वारलू इरपा मज्जी (पार्टी सदस्य, भामरागढ़ एलओएस), उम्र-30 वर्ष, निवासी मिलदापल्ली, तहसील भामरागढ़, जिला गढ़चिरौली ने गढ़चिरौली पुलिस और सीआरपीएफ के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है।

आत्मसमर्पित माओवादियों के बारे में जानकारी:

नाम: कांता उर्फ कंटक्का उर्फ मंडी गालू पल्लो, माओवादी संगठन में कार्यकाल: 1993 में मद्देड एलओएस में भर्ती हुए और 1995 तक काम किया।

1995 से 1998 तक उत्तरी गढ़चिरौली में प्लाटून नंबर 02 के सदस्य के रूप में काम किया। 1998 में भामरागढ़ एलओएस में स्थानांतरित

हुए और 2001 तक सदस्य के रूप में काम किया। 2001 में परमिली एलओएस के उप कमांडर के रूप में पदोन्नत हुए और 2003 तक काम किया। 2003 में चटगांव एलओएस में स्थानांतरित हुए और 2006 तक उप कमांडर के रूप में काम किया। 2006 में एसीएम (क्षेत्र समिति सदस्य) के रूप में पदोन्नत हुए और 2008 तक टिपागड़ एलओएस में काम किया। 2008 में डीवीसीएम (मंडल समिति सदस्य) के रूप में पदोन्नत हुए और 2015 तक टिपागड़, चटगांव और कासनसूर एलओएस में केएमएस (क्रांतिकारी महिला संगठन) संगठन के साथ काम किया। 2015 में माड क्षेत्र के स्टाफ/आपूर्ति दल में स्थानांतरित हुए और आज तक डीवीसीएम के रूप में काम किया।

• अपराध दर्ज: -

उसके खिलाफ कुल 11 अपराध दर्ज हैं, जिनमें 07 - मुठभेड़, 01- आगजनी और 03- अन्य अपराध शामिल हैं। नाम: सुरेश उर्फ वारलू इरपा मज्जी

माओवादी संगठन में कार्यकाल:

2021 में भामरागढ़ एलओएस के सदस्य के रूप में भर्ती हुआ और सितंबर 2024 तक काम किया। सितंबर 2024 से, आज तक डीवीसीएम राजू वेलादी उर्फ कलमसाई (भामरागढ़ एलओएस) के लिए अंगरक्षक के रूप में काम किया।

उसके खिलाफ मुठभेड़ में शामिल होने का 01 अपराध दर्ज है। अन्य हिंसक घटनाओं में उसकी संलिप्तता के विवरण की पुष्टि की जा रही है। उनके आत्मसमर्पण के कारण:

गढ़चिरौली पुलिस द्वारा लगातार गश्त के कारण, जंगल में घूमना मुश्किल हो गया था। वरिष्ठ माओवादी कैडर पार्टी सदस्यों की चिकित्सा समस्याओं पर ध्यान नहीं देते हैं। मुठभेड़ों के दौरान, पुरुष माओवादी महिला माओवादियों को उनके हाल पर छोड़कर भाग जाते हैं और अक्सर मारे जाते हैं।साथी आदिवासियों को केवल पुलिस मुखबिर होने के संदेह के आधार पर मार दिया जाता है। वरिष्ठ माओवादियों द्वारा महिलाओं के साथ बहुत भेदभाव किया जाता है। वरिष्ठ माओवादियों ने हमें आंदोलन/लोगों के लिए धन इकट्ठा करने का निर्देश दिया, लेकिन उन्होंने वास्तव में उस धन का उपयोग अपने लिए किया, कभी लोगों के विकास के लिए नहीं। वरिष्ठ माओवादियों ने केवल अपने लाभ के लिए गरीब आदिवासी युवाओं का शोषण किया।

उनकी गिरफ्तारी/मुठभेड़ पर इनाम:

महाराष्ट्र सरकार ने कांता@ कंटक्का @ मंडी गलु पल्लो पर 16 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। महाराष्ट्र सरकार ने कांता@ कंटक्का @ मंडी गलु पल्लो पर 16 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। महाराष्ट्र सरकार ने कांता@ कंटक्का @ मंडी गलु पल्लो पर 16 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। सुरेश उर्फ वारलू इरपा मज्जी पर 02 लाख का इनाम

आत्मसमर्पण पर इनाम:

आत्मसमर्पण के बाद, कांता उर्फ कंटक्का उर्फ मंडी गलु पल्लो को पुनर्वास के लिए केंद्र सरकार और महाराष्ट्र सरकार द्वारा घोषित 8.5 लाख रुपये का इनाम मिलेगा।

• आत्मसमर्पण के बाद, सुरेश उर्फ वारलू इरपा मज्जी को पुनर्वास के लिए केंद्र सरकार और महाराष्ट्र सरकार द्वारा घोषित 4.5 लाख रुपये का इनाम मिलेगा। गढ़चिरौली पुलिस द्वारा चलाए जा रहे सघन माओवादी विरोधी अभियानों और महाराष्ट्र सरकार द्वारा माओवादियों को आत्मसमर्पण करने और सम्मानजनक जीवन जीने का सुनहरा अवसर प्रदान करने के कारण, वर्ष 2022 से अब तक 55 कट्टर माओवादियों ने गढ़चिरौली पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। यह इस वर्ष का अब तक का 22वां आत्मसमर्पण है। यह कार्रवाई श्री संदीप पाटिल, विशेष पुलिस महानिरीक्षक (एएनओ) नागपुर, श्री अंकित गोयल, डीआईजी, गढ़चिरौली रेंज, के मार्गदर्शन में की गई।

अजय कुमार शर्मा, डीआईजी (ऑपरेशन) सीआरपीएफ, श्री नीलोत्पल, एसपी गढ़चिरौली और श्री परविंदर सिंह, कमांडेंट 192 बटालियन सीआरपीएफ, श्री नीलोत्पल, एसपी, गढ़चिरौली ने आश्वासन दिया है कि लोकतंत्र के तरीकों को अपनाते हुए आत्मसमर्पण करने और समाज की मुख्यधारा में शामिल होने के इच्छुक लोगों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी। इसके अलावा, उन्होंने सक्रिय माओवादियों से हिंसा का रास्ता छोड़ने और शांति का रास्ता अपनाने और विकास की मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की।

गढ़चिरोली में तीन दिवसीय 'लोकनृत्य भारत भारती' महोत्सव का आयोजन

गढ़चिरोली:

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार और सांस्कृतिक मामलों के विभाग, महाराष्ट्र सरकार, मुंबई ने संयुक्त रूप से 1 से 3 मार्च 2025 तक हर दिन शाम 6.30 बजे विद्या भारती गर्ल्स हाई स्कूल, गढ़चिरौली में "लोक नृत्य भारत भारती" महोत्सव का आयोजन किया।

महाराष्ट्र राज्य के सांस्कृतिक मामलों के मंत्री आशीष शेलार की संकल्पना के अनुसार, सांस्कृतिक मामलों के विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, विकास खड़गे (आई.पी.एस.) के मार्गदर्शन और सांस्कृतिक मामलों के निदेशालय, मुंबई के निदेशक विभीषण चावरे और दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर की निदेशक श्रीमती आस्था कार्लेकर की योजना के तहत यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

यह महोत्सव भारत की विविध संस्कृति और लोक कला को पुनर्जीवित करने और नई पीढ़ी

को इससे परिचित कराने के लिए आयोजित किया जाता है। भारत सरकार और महाराष्ट्र सरकार संयुक्त रूप से भारतीय लोक कलाओं को बढ़ावा देने और स्थानीय कलाकारों को एक मंच प्रदान करने के लिए प्रयास कर रही हैं।

इस तीन दिवसीय महोत्सव में भारत के विभिन्न राज्यों के लोक नृत्यों की रंगारंग प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इनमें शामिल हैं - महाराष्ट्र: प्रसिद्ध लावणी/कोली नृत्य, मध्य प्रदेश: बधाई/नोरता नृत्य, राजस्थान: रंगीला कालबेलिया/भवई/चरी नृत्य, हरियाणा: घूमर/फाग नृत्य, गुजरात: सिद्धि धमाल नृत्य, ओडिशा: संबलपुरी/दलखाई नृत्य

इस महोत्सव को दण्डकारण्य शैक्षिक एवं सांस्कृतिक विकास शोध संस्थान, गढ़चिरौली से विशेष सहयोग प्राप्त हुआ है। यह कार्यक्रम सभी के लिए निःशुल्क है तथा सभी इच्छुक दर्शकों से इस महोत्सव का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर की निदेशक श्रीमती आस्था कार्लेकर गोडबोले तथा सांस्कृतिक मामले, मुंबई के निदेशक विभीषण चावरे ने की है।

शैक्षिक प्रगति के लिए अभ्यासिका को एक मॉडल के रूप में विकसित करने के निर्देश : विधायक जोरगेवार

> जिला पुस्तकालय में प्रस्तावित आधुनिक अध्ययन कक्ष के कार्य की समीक्षा.

चंद्रपुर.

खनिज विकास निधि की सहायता से जिला ग्रंथालय बनाया जा रहा आधुनिक अध्ययन कक्ष केवल एक इमारत तक सीमित न रहकर चंद्रपुर शहर की शैक्षणिक प्रगति का प्रतीक बनना चाहिए। विधायक किशोर जोरगेवार ने सुझाव दिया है कि इस सुविधा को शहर की शैक्षिक प्रगति के लिए एक मॉडल के रूप में विकसित किया जाना चाहिए, इसे छात्रों के लिए ज्ञान अर्जन का एक सशक्त माध्यम बनाने की योजना बनाई जानी चाहिए।

खनिज विकास निधि से स्वीकृत 15 करोड़ रुपए की लागत से जिला ग्रंथालय में स्थापित किए जा रहे आधुनिक अध्ययन कक्ष के काम में आने वाली कठिनाइयों को समझने और उनका समाधान खोजने के लिए विधायक किशोर जोरगेवार की अध्यक्षता में जिला ग्रंथालय में बैठक आयोजित की गई। विधायक किशोर जोरगेवार ने इस समय उत्पन्न समस्याओं का तत्काल समाधान करने का निर्देश दिया है।

बैठक में लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता मुकेश तांगड़े , उपविभागीय अभियंता विवेक अंकुले , जिला ग्रंथालय अधिकारी नलावडे , कार्यकारी अभियंता पगारे , उपविभागीय अभियंता प्रकाश अमरशेट्टीवार , सलीम शेख , रूपेश पांडे , कुमार जुनमुलवार , संजय महाकालीवार आदि उपस्थित थे।

बैठक में कार्य की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई , समस्याओं पर चर्चा की गई तथा आवश्यक सुधार एवं समाधान सुझाए गए। निर्माण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए , बिजली और पानी के प्रबंधन के लिए उचित तैयारी की जानी चाहिए तथा अध्ययन सुविधाओं में आधुनिक तकनीक को शामिल किया जाना चाहिए। यह अध्ययन छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है , और इसका उद्देश्य पढ़ने , प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी , डिजिटल लर्निंग और पुस्तकालय संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान करना है ।

इस पहल से जिले के विद्यार्थियों को आधुनिक एवं सुसज्जित अध्ययन कक्ष का लाभ मिलेगा। लोक निर्माण विभाग और पुस्तकालय प्रशासन नियमित रूप से समन्वय कर समस्याओं का समाधान करें। यह अध्ययन केन्द्र केवल एक भवन नहीं होगा , बल्कि विद्यार्थियों के लिए ज्ञान अर्जन का महत्वपूर्ण केन्द्र भी बनेगा। अतः इस परियोजना को समय पर एवं उच्चतम गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए तथा लोक निर्माण विभाग निर्माण की गुणवत्ता पर विशेष जोर दे। छात्र यहां दिन-रात पढ़ाई करेंगे , इसलिए आरामदायक बैठने की व्यवस्था , अच्छा वाई-फाई , उचित वेंटिलेशन और प्रकाश व्यवस्था होना आवश्यक है ।

बिजली और पानी प्रबंधन की समस्याओं का तुरंत समाधान किया जाना चाहिए और छात्रों के लिए पारंपरिक पुस्तकालय के बजाय डिजिटल लाइब्रेरी की अवधारणा को लागू किया जाना चाहिए। इसलिए यहां ई-लाइब्रेरी , ऑनलाइन अध्ययन सामग्री और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आवश्यक डिजिटल उपकरण उपलब्ध कराए जाने चाहिए। यह अध्ययन सिर्फ निर्माण और रोक देने वाली परियोजना नहीं है , बल्कि इसके लिए सुरक्षित और योजनाबद्ध प्रबंधन की आवश्यकता है। इस स्थान पर सीसीटीवी , प्रवेश नियंत्रण प्रणाली और सफाई पर विशेष जोर दिया जाना चाहिए। विधायक किशोर जोरगेवार ने इस बार अधिकारियों को ऐसे सुझाव दिए हैं।

विदर्भ स्तरीय वैवाहिक परिचय सम्मेलन एवं नागरिक अभिनंदन समारोह का आयोजन 1 मार्च को

> प्रेस कॉन्फ्रेंस में संयुक्त आदिवासी कार्य समिति ने दी जानकारी

चंद्रपुर.

संयुक्त आदिवासी कार्य समिति के जितेश कुलमेथे ने बताया कि आदिवासी समुदाय को एक साथ लाने और समाज को एकजुट करने के उद्देश्य से संयुक्त आदिवासी कार्य समिति 1 मार्च को नागपुर रोड स्थित शंकुतला फार्म में विदर्भ स्तरीय आदिवासी युवक विवाह परिचय सम्मेलन और नागरिक अभिनंदन समारोह का आयोजन करेगी।

उन्होंने आगे कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आदिवासियों की संख्या अधिक है। वहां गरीबी के कारण आदिवासियों के लिए अपने बेटे-बेटियों की शादी करना मुश्किल होता जा रहा है। जिसके कारण लड़के-लड़कियों की तलाश में मेहनत, पैसा और समय की बर्बादी हो रही है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए तथा जनजातीय समुदाय को एक साथ लाने के उद्देश्य से इस परिचयात्मक सम्मेलन का आयोजन किया गया है।

परिचयात्मक सम्मेलन का उद्घाटन 1 मार्च को सुबह 10.30 बजे राज्य के आदिवासी विकास मंत्री और जिले के पालकमंत्री डॉ. अशोक उइके करेंगे। कार्यक्रम में स्वागताध्यक्ष विधायक किशोर जोरगेवार और राजुरा के सामाजिक विचारक बापूराव मडावी उपस्थित रहेंगे। परिचयात्मक सम्मेलन के लिए पंजीकरण निःशुल्क है।

कार्यक्रम के दौरान आदिवासियों की समस्याओं को पालकमंत्री के समक्ष रखा जाएगा। इस बीच, सभी आदिवासी सामाजिक संगठनों ने आदिवासी विकास मंत्री और राज्य के पालकमंत्री डॉ. अशोक उइके का सम्मान किया जाएगा। संयुक्त आदिवासी कार्य समिति ने आदिवासी समुदाय के सभी सदस्यों से परिचय सम्मेलन और पालकमंत्री के नागरिक अभिनंदन समारोह में भाग लेने की अपील की है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में डॉ. जितेश कुलमेथे, डॉ. देव कन्नके, प्रो. नामदेव कन्नाके, सुनील गेडाम, प्रमोद बोरिकर, माया पेंडोर, रंजना कन्नाके उपस्थित थे।

चंद्रपुर शहर में 250 किलो प्लास्टिक जब्त

चंद्रपुर.

चंद्रपुर महानगरपालिका द्वारा एकल उपयोग प्लास्टिक के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है और नगर निगम की टीम ने दादमहल वार्ड में वाशिम खान के घर से 250 किलोग्राम प्लास्टिक पन्नी जब्त की है और संबंधित पर 5,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आयुक्त एवं प्रशासक विपिन पालीवाल के निर्देशानुसार प्रतिबंधित एवं एकल उपयोग प्लास्टिक के खिलाफ कार्रवाई के लिए 8 टीमें गठित की गई हैं। ये सभी टीमें शहर में नियमित ऑपरेशन चलाती हैं। इस बार भी नगर पालिका को इस दुकान के संबंध में गोपनीय सूचना मिली थी। नगर पालिका को अवैध भंडारण के संबंध में कई जानकार व्यक्तियों से शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, क्योंकि प्लास्टिक भंडारण और थैलियों के बारे में सूचना देने वालों की पहचान गोपनीय रखी जाती है और दी गई सूचना सही पाए जाने पर 5,000 रुपये का इनाम दिया जाता है।

राज्य में 1 जुलाई 2022 से एकल उपयोग वाली प्लास्टिक वस्तुओं के उत्पादन, आयात, भंडारण, परिवहन, वितरण, बिक्री और उपयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। महाराष्ट्र प्लास्टिक और थर्मोकोल अधिसूचना 2018 के अनुसार, मौके पर 500 रुपये का जुर्माना, संस्थागत स्तर पर 5,000 रुपये तक का जुर्माना, दूसरी बार उपयोग के लिए 10,000 रुपये और तीसरी बार अपराध करने पर 25,000 रुपये का जुर्माना और 3 महीने की कैद है।

उक्त कार्रवाई आयुक्त विपिन पालीवाल के मार्गदर्शन में तथा अपर आयुक्त चंदन पाटिल, उपायुक्त मंगेश खवले, सहायक आयुक्त शुभांगी सूर्यवंशी, स्वच्छता निरीक्षक शुभम खोटे, शुभम चिंचेकर, राहुल गगापल्लीवार, प्रफुल पोतराजे तथा रुचिर कोरेकर के प्रत्यक्ष नियंत्रण में की गई।

छत्रपति शिवाजी महाराज और आंबेडकर जयंती पर महाराष्ट्र में शराब बिक्री पर प्रतिबंध लगाए

> शिवाई-भीमाई-विठाई-इराई-वृक्षाई संस्था की मांग।

चंद्रपुर, सुनील तायडे

चंद्रपुर जिला आर्थिक और शैक्षणिक दृष्टि से पिछड़ा हुआ है, फिर भी इस जिले के नागरिक वैचारिक रूप से उन्नत और जागरूक हैं, तथा स्वतंत्रता संग्राम और राज्य की समृद्धि में इस जिले के लोगों द्वारा दिया गया योगदान ध्यान देने योग्य है।

महाराष्ट्र के देवतुल्य राजा छत्रपती शिवाजी महाराज की जयंती 19 फरवरी को मनाई जाती है और महापुरुष भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती 14 अप्रैल को सरकारी स्तर पर मनाई जाती है। राज्य सरकार द्वारा इन दोनों जयंती को बड़ी श्रद्धा, हर्ष और निर्भयता के साथ मनाया जाता है। हालांकि, चूंकि इन दोनों महापुरुषों की जयंती पर शराब की बिक्री जारी है, इसलिए ऐसी खबरें हैं कि असामाजिक तत्व इस भावनात्मक दिन के उद्देश्य को विफल करने की कोशिश कर रहे हैं। इस घटना से व्यथित होकर, चंद्रपुर महानगर और जिले के 5 सामाजिक संगठन, अर्थात् शिवाई-भीमाई-विठाई-इराई-वृक्षाई संस्था एक साथ आए हैं और इन दोनों महापुरुषों की जयंती पर पूरे महाराष्ट्र में शराब की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की है। उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजीत पवार को एक ई-मेल और एक ज्ञापन भेजा है, साथ ही जिले के सभी जनप्रतिनिधियों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात करके एक ज्ञापन भी सौंपा है। जल्द से जल्द निर्णय लेने की मांग की गई है। 5 संगठनों के प्रतिनिधिमंडल में कुशाभ कायरकर, दीक्षा सातपुते संस्थापक अनिकेत मेश्राम, बाबाराव सातपुते, महेश काहिलकर, इराई (नदी) संरक्षण जनांदोलन की इराई कन्या भूमि कायरकर, वैष्णवी गुरले, रूपाली टोंगे, प्रीति लांडे, उज्ज्वला नांदे, प्रिया पाली, प्रा. सुरेश विधाते, पांडुरंग गौंटूरे, राजू टोंगे, वृक्ष प्रेमी संस्था के प्रेरणास्रोत अजिंक्य कायरकर, जन विकास सेना के पप्पू देशमुख, प्रफुल बैरम सहित कई लोग शामिल थे। छत्रपति शिवाजी महाराज को भगवान मानने वाले राज्य के नेता, कई राजनीतिक दल, संगठन, सभी शिव प्रेमी और बाबासाहेब अंबेडकर को मानने वाले सभी अंबेडकर समर्थक। पांच संगठनों - शिवाई, भीमाई, विठाई, इराई और वृक्षाई - के समन्वयक कुशाभ कायारकर ने जनता से अनुरोध किया है कि वे अपनी पूरी क्षमता से इस मांग को उठाएं और राज्य सरकार को यह निर्णय लेने के लिए मजबूर करें।

कमल स्पोर्टिंग क्लब ने महाशिवरात्रि पर बांटी साबूदाना खिचड़ी

चंद्रपुर.

सामाजिक, शैक्षणिक, धार्मिक एवं अन्य क्षेत्रों में अग्रणी कमल स्पोर्टिंग क्लब, चंद्रपुर की ओर से, 26 फरवरी 2025 को प्रातः 6:30 बजे महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर श्री अंचलेश्वर मंदिर प्रांगण में शिव भक्तों को साबूदाना खिचड़ी एवं फल वितरण का कार्यक्रम रखा गया। कमल स्पोर्टिंग क्लब के जिला अध्यक्ष रघुवीर अहीर की ओर से आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री हंसराज अहीर के मुख्य आतिथ्य में खिचड़ी वितरण किया गया।

इस कार्यक्रम में भागवताचार्य पूजनीय मनीष महाराज, पूर्व उपमहापौर अनिल फुलझेले, श्यामल अहीर, राजू घरोटे, सुदामा यादव, राहुल गायकवाड़, जगदीश दांडेले, शैलेश डिंडेवार, मयूर भोकरे, विक्की लाडसे, कमल कजलीवाले, प्रवीण चुनारकर सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

CMYK

खुद को सिकंदर समझता है'

सलमान खान की फिल्म का नया टीजर आउट

मुंबई. सलमान खान की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'सिकंदर' ईद 2025 पर सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है. फिल्म के रिलीज की तारीख अब तक सामने नहीं आई है. वहीं मेकर्स ने अब 'सिकंदर' का एक नया टीजर रिलीज कर फैंस को बड़ा सरप्राइज दिया है. फिल्म के टीजर में सलमान खान के एक्शन अवतार के साथ रश्मिका मंदाना की झलक भी देखने को मिली है.

'सिकंदर' के टीजर की शुरुआत एक्शन सीन से होती है जिसमें सलमान खान गुंडों का सूपड़ा साफ करते नजर आते हैं. टीजर में ही सुपरस्टार के सुपर डायलॉग्स सुनने को मिले हैं. वे कहते हैं- 'इंसाफ नहीं साफ करने आया हूं. कायदे में रहो फायदे में रहो, वरना श्मशान या कब्रिस्तान में रहो.' टीजर में लीड एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना के भी दो-तीन सीन दिखाए गए हैं.

'सिकंदर' के टीजर में सलमान खान और रश्मिका मंदाना के डांस सीन को भी ऐड किया गया है. रश्मिका मंदाना भी अपने ग्रेस से स्क्रीन पर

अलग ही रौनक बिखेरती हैं. एक तरफ जहां एक्शन और इमोशंस का तूफान चलता है, वहीं रश्मिका की मौजूदगी इसमें एक ताजगी भर देती है. उनकी एनर्जी और मासूमियत कहानी में एक अलग ही इमोशनल टच जोड़ती है.

फिल्म में साउथ एक्टर सत्याराज विलेन के रोल में नजर आने वाले हैं. टीजर में वे कहते हैं- 'अपने आपको बहुत बड़ा 'सिकंदर' समझता है.' सलमान खान ने टीजर शेयर करते हुए लिखा- 'जो दिलों पर करता है राज वो आज कहलाता है 'सिकंदर'.'

'सिकंदर' की स्टार कास्ट

बता दें कि 'सिकंदर' को साजिद नाडियाडवाला ने प्रोड्यूस किया है और एआर मुर्गादास ने इसे डायरेक्ट किया है. फिल्म इसी साल ईद पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी, हालांकि अब तक फिल्म की रिलीज डेट सामने नहीं आई. 'सिकंदर' की स्टार कास्ट की बात करें तो फिल्म में सलमान खान, रश्मिका मंदाना, सत्याराज, काजल अग्रवाल, शरमन जोशी और अंजिनी धवन भी दिखाई देंगी.

अजय देवगन: बॉलीवुड के सीक्वल मास्टर

मुंबई. अजय देवगन ने खुद को बॉलीवुड के सबसे भरोसेमंद और बहुमुखी अभिनेताओं में से एक के रूप में स्थापित किया है। इंटेंस ड्रामा से लेकर हाई-ऑक्टेन एक्शन फिल्मों और गुदगुदाने वाली कॉमेडी तक, उन्होंने लगभग हर शैली में महारत हासिल की है। हालाँकि, हाल के वर्षों में, देवगन बॉलीवुड के निर्विवाद "सीक्वल किंग" के रूप में उभरे हैं। रेड 2, सन ऑफ़ सरदार 2, दे दे प्यार दे 2, दृश्यम 3, धमाल 5 और शैतान 2 सहित कई सीक्वल की कतार में होने के साथ, यह स्पष्ट है कि वह इंडस्ट्री में फ्रैंचाइज़ी के लिए जाने-माने स्टार बन गए हैं।

बॉलीवुड में सीक्वल का चलन बढ़ रहा है, फिल्म निर्माताओं और निर्माताओं को स्थापित फ्रेंचाइजी की व्यावसायिक क्षमता का एहसास हो रहा है। एक सफल पहली फिल्म का मतलब है मौजूदा प्रशंसक आधार, जो नई परियोजनाओं से जुड़े जोखिम को कम करता है। अजय देवगन, अपनी मजबूत स्क्रीन उपस्थिति और दर्शकों की वफादारी के साथ, इस प्रवृत्ति का सबसे बड़ा लाभार्थी बन गए हैं। विभिन्न शैलियों में सहजता से घुलने-मिलने की उनकी क्षमता ने उन्हें उन भूमिकाओं को दोहराने की अनुमति दी है जो दर्शकों को पसंद हैं, जिससे उनकी फिल्मोग्राफी में सीक्वल का एक स्थिर प्रवाह सुनिश्चित होता है। निडर आयकर अधिकारी को पुनर्जीवित करना अजय देवगन की सबसे प्रतीक्षित सीक्वल में से एक रेड 2 है, जो उनकी 2018 की हिट रेड का अनुवर्ती है। वास्तविक जीवन की घटनाओं पर आधारित पहली फिल्म में देवगन ने अमय पटनायक की भूमिका निभाई थी, रेड 2 के साथ, देवगन एक नए हाई-स्टेक मिशन पर काम करते हुए, एक नेक अधिकारी के रूप में वापसी करने के लिए तैयार हैं, इस बार वह रितेश देवगन और वाणी कपूर के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगे , साथ ही सौरभ शुक्ला भी होंगे जो पहले भाग से अपनी भूमिका को दोहराते हैं। पहली किस्त की सफलता और वास्तविक जीवन से प्रेरित थ्रिलर के लिए जनता के प्यार को देखते हुए, इस सीक्वल में एक और ब्लॉकबस्टर होने की बहुत संभावना है।

हाई-एनर्जी एक्शन की वापसी अजय देवगन की सन ऑफ सरदार (2012) एक्शन, कॉमेडी और पंजाबी स्वैग से भरपूर एक मास एंटरटेनर थी। जब तक है जान के साथ टकराव के बावजूद, फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया और वर्षों में एक पंथ प्राप्त किया। अब, सन ऑफ सरदार 2 पर काम चल रहा है, जो उच्च ऊर्जा वाले एक्शन और हास्य की एक और खुराक का वादा करता है। जहां संजय दत्त फ्रेंचाइजी में लौट रहे हैं, वहीं मुख्य अभिनेत्री की भूमिका मृणाल ठाकुर निभा रही हैं ।

"सन ऑफ सरदार 2" से अजय देवगन को बड़ी उम्मीदें! यह सीक्वल देवगन के लिए गेम-चेंजर हो सकता है, जिससे उन्हें पारिवारिक दर्शकों और ग्रामीण बाजार तक पहुंचने का मौका मिलेगा, जिन्हें मूल फिल्म पसंद आई थी। बड़े-से-बड़े एक्शन और हस्ताक्षर हास्य के साथ, सन ऑफ सरदार 2 एक भव्य सिनेमाई तमाशा होने की उम्मीद है।

शीर्ष प्रोडक्शन हाउस द्वारा बॉलीवुड ब्लॉकबस्टर 'छावा' की तेलुगु रिलीज़

मुंबई. विक्की कौशल की ऐतिहासिक एक्शन ड्रामा फिल्म छावा ने बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल की है, यह दुनिया भर में 500 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई करके साल की पहली हिंदी ब्लॉकबस्टर बन गई है। फिल्म असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन कर रही है और जल्द ही भारत में 400 करोड़ रुपये के नेट क्लब में शामिल होने की उम्मीद है। छावा देखने वाले तेलुगु दर्शकों ने विक्की कौशल के शानदार अभिनय की बहुत प्रशंसा की है, जिसके कारण तेलुगु रिलीज़ की मांग बढ़ रही है। यहाँ एक रोमांचक खबर है: फिल्म आधिकारिक तौर पर तेलुगु में रिलीज़ होने के लिए तैयार है। टॉलीवुड का प्रसिद्ध प्रोडक्शन हाउस गीता आर्ट्स आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में वितरण का काम संभालेगा। तेलुगु में डब किया गया संस्करण 7 मार्च को सिनेमाघरों में आने वाला है। गीता आर्ट्स द्वारा रिलीज़ का प्रबंधन किए जाने से दर्शक बड़े पैमाने पर वितरण और उच्च गुणवत्ता वाली डबिंग की उम्मीद कर सकते हैं। शीर्ष प्रोडक्शन हाउस द्वारा बॉलीवुड ब्लॉकबस्टर छावा का तेलुगु रिलीज़ इस बात की बहुत उम्मीद है कि छावा तेलुगु बाज़ार में कंतारा की सफलता को दोहराएगी , क्योंकि दोनों फ़िल्मों का वितरक एक ही है।

राखी सावंत को महाराष्ट्र साइबर पुलिस ने किया तलब

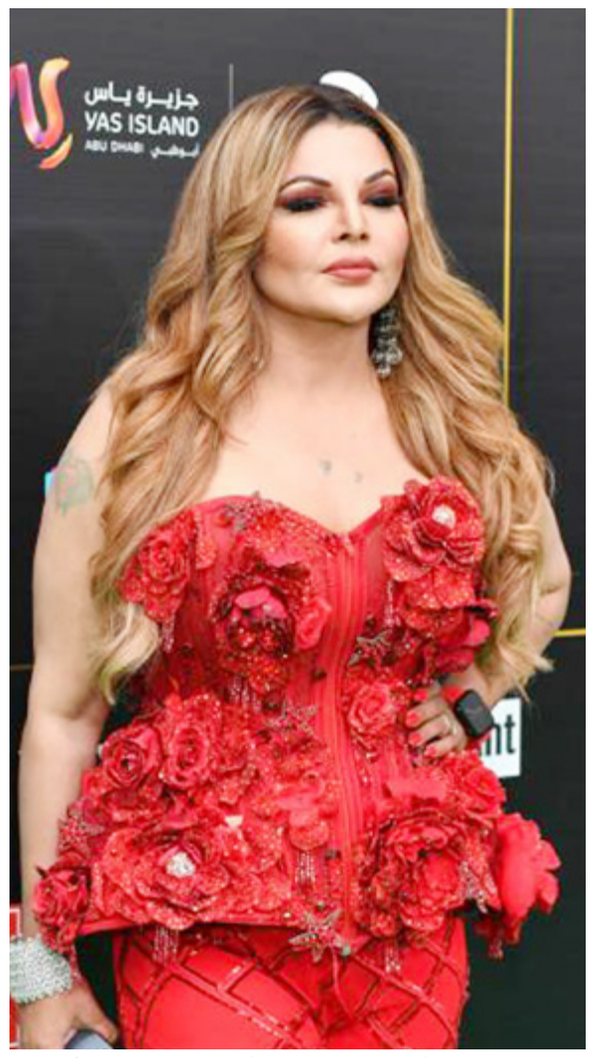

मुमने. इंडियाज गॉट लेटेंट विवाद में फंसी राखी सावंत को महाराष्ट्र साइबर सेल ने तलब किया है। पुलिस उनसे इस मामले के संबंध में पूछताछ कर सकती है। राखी 'इंडियाज गॉट लेटेंट' शो में जज बनकर जा चुकी हैं। उनके शॉर्ट वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुए थे।

महाराष्ट्र साइबर सेल द्वारा समन भेजे जाने पर राखी सावंत ने अपनी सफाई में एक वीडियो भी जारी किया था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर उन्होंने कहा, "मुझे समन भेजने का मतलब नहीं है दोस्तों। आप मुझे वीडियो कॉल करें, मैं आपके सभी सवालों के जवाब देने के लिए तैयार हूं। मैं एक आर्टिस्ट हूं। मुझे पैसे देकर इंटरव्यू के लिए बुलाया गया था और मैंने इंटरव्यू दिया है बस। मैंने तो किसी को गालियां भी नहीं दी। मुझे समन भेजने का मतलब नहीं है।" ड्रामा क्वीन ने खुद को भिखारिन तक कह दिया था। बोलीं, "मैं तो भिखारिन हूं, मेरे पास एक रुपये भी नहीं है कि आपको दे सकूं। मैं तो दुबई में रहती हूं। मेरे पास तो कोई काम भी नहीं है। मैं तो पैसा भी नहीं दे सकती आपको। मुझे बुलाकर क्या करोगे, कोई फायदा नहीं है। मैं अनुरोध कर रही हूं। मैंने कोई गुनाह नहीं किया। मैं तो व्हाइट कॉलर हूं।"

जानकारी के अनुसार, 'इंडियाज गॉट लेटेंट' को लेकर चल रहे विवाद के आरोपी रणवीर इलाहाबादिया, अपूर्वा मुखीजा और समय रैना महाराष्ट्र साइबर के संपर्क में हैं। इनका 28 फरवरी को बयान दर्ज किया जाएगा। वे अपना बयान दर्ज कराने के लिए महाराष्ट्र साइबर कार्यालय जाएंगे। ये सभी अधिकारियों द्वारा दिए गए वक्त पर पहुंचकर अपना बयान दर्ज कराएंगे। ज्ञात हो कि 'इंडियाज गॉट लेटेंट' शो में यूट्यूबर-पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया की अश्लील टिप्पणी के बाद समय रैना ने शो के सभी एपिसोड यूट्यूब से हटा दिए थे। सुप्रीम कोर्ट ने पॉडकास्टर और उसके सहयोगियों को अगले नोटिस तक यूट्यूब या अन्य प्लेटफॉर्म पर कोई भी शो प्रसारित करने से मना कर दिया था।

बीते दिनों समय रैना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा था, "जो कुछ भी हो रहा है, उसे संभालना मेरे लिए बहुत मुश्किल है। मैंने अपने चैनल से 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के सभी वीडियो हटा दिए हैं। मेरा एकमात्र उद्देश्य लोगों को हंसाना और अच्छा समय बिताना था। मैं सभी एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग करूंगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनकी जांच निष्पक्ष रूप से पूरी हो।"

कुमार तौरानी ने बॉलीवुड की क्लासिक फिल्म 'बेवफा' के 20 साल पूरे होने पर किया सम्मान

मुंबई. भारत में एक प्रमुख संगीत लेबल, टिप्स म्यूज़िक लिमिटेड, प्रतिष्ठित एल्बम "बेवफ़ा" की 20वीं वर्षगांठ मना रहा है। 2005 में रिलीज़ हुआ यह एल्बम बॉलीवुड की संगीत विरासत का एक अभिन्न अंग बन गया है, इसकी भावपूर्ण धुनें और मार्मिक गीत आज भी दर्शकों को आकर्षित करते हैं।टिप्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड (म्यूजिक) के प्रबंध निदेशक और टिप्स फिल्म्स लिमिटेड के निदेशक कुमार तौरानी ने "बेवफा" को अविस्मरणीय एल्बम बनाने वाले कलाकारों और प्रशंसकों के प्रति आभार व्यक्त किया। "बीस साल बीत चुके हैं, लेकिन 'बेवफा' का संगीत कालातीत बना हुआ है।

हमें इस संगीत यात्रा का हिस्सा होने पर गर्व है, और हम अपने प्रतिभाशाली कलाकारों और वफादार प्रशंसकों को उनके अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद देते हैं।" इस एल्बम में गायकों की एक प्रभावशाली लाइनअप है, जिसमें सोनू निगम, अलका याग्निक, उदित नारायण, कुमार सानू और शान शामिल हैं। बेहद खूबसूरत "एक बेवफ़ा है" से लेकर मार्मिक "प्यार का अंजाम" तक, हर ट्रैक बॉलीवुड के संगीत परिदृश्य का एक अभिन्न अंग बन गया है।

"बेवफ़ा" दिलों को छूने और समय को पार करने की संगीत की स्थायी शक्ति का एक प्रमाण है। जैसा कि टिप्स म्यूज़िक लिमिटेड भारतीय संगीत की सीमाओं को आगे बढ़ाता रहता है, यह एल्बम लेबल की कालातीत संगीत रत्न बनाने की प्रतिबद्धता का एक शानदार उदाहरण बना हुआ है।

रणबीर कपूर को मिला वुमनाइजर-रेड फ्लैग का टैग

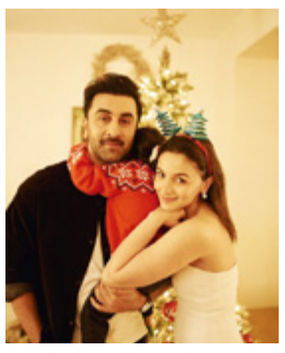

मुंबई. बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट, हमेशा से ही पति रणबीर कपूर को सपोर्ट करती दिखी हैं. इस बार आलिया ने एक फैन की पोस्ट को लाइक किया, जिसमें रणबीर को 'रेड फ्लैग', 'वुमनाइजर' और 'मामा बॉय' कहकर डिफेंड किया गया था. इस फैन ने अपनी पोस्ट में हाइलाइट किया था कि कैसे रणबीर ने अपने ब्रैंड के नाम में पत्नी आलिया और बेटी राहा के नाम का अक्षर डाले हैं.

बता दें कि रणबीर कपूर का क्लोदिंग और शूज ब्रैंड इसी महीने लॉन्च हुआ है. इस ब्रैंड के नाम में आलिया और राहा के नाम के अक्षर हैं. आलिया ने जब रणबीर के ब्रैंड को एंडॉर्स किया था तो फैन्स ने इस बात को काफी पसंद किया था. अब बात करते हैं फैन की पोस्ट के बारे में.

दरअसल, अक्सर ही हम लोगों ने देखा है कि रणबीर कपूर ट्रोल्स के निशाने पर रहते हैं. उन्हें काफी सारे टैग्स मिलते रहे हैं. इस बार फैन ने एक्टर को सपोर्ट करते हुए लिखा- मुझे ये देखकर हंसी आती है कि किस तरह कुछ जलने वाले लोग रणबीर को 'वुमनाइजर', 'रेड फ्लैग' और 'ममाज बॉय' का टैग देते हैं. अपने ब्रैंड में रणबीर ने अपनी बेटी राहा और पत्नी आलिया के नाम के अक्षर डाले हैं. अगर ये रेड फ्लैग है तो मुझे लगता है कि ग्रीन फ्लैग से ये होना बेहतर है.

फैन की इस पोस्ट को आलिया भट्ट ने पसंद किया. उन्होंने 'लाइक' किया है. ये देखकर एक और फैन ने कॉमेंट किया- आलिया ने इस रील को पसंद किया है, मुबारक हो. एक और फैन ने लिखा- आलिया ने इस पोस्ट को पसंद किया, तुम्हारा तो दिन बन गया है. इसके अलावा हाल ही में रिद्धिमा कपूर साहणी ने एक इंटरव्यू में इस बात पर रिएक्ट किया कि किस तरह उनके भाई, भाभी और पूरे परिवार को टारगेट किया जाता है. रिद्धिमा ने कहा- उन दोनों को ट्रोल्स से कोई फर्क नहीं पड़ता है. न ही वो ऑनलाइन निगेटिविटी पर ध्यान देते हैं. वर्कफ्रंट की बात करें तो रणबीर और आलिया जल्द ही फिल्म 'लव एंड वॉर' में साथ नजर आने वाले हैं. ये संजय लीला भंसाली डायरेक्ट कर रहे हैं. विक्की कौशल भी इस फिल्म का हिस्सा होंगे.

त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग पहुंचकर शहनाज गिल ने लिया महादेव का आशीर्वाद

मुंबई. सलमान खान के शो 'बिग बॉस 13' के जरिए पूरे देश के दिलों पर छाने वाली शहनाज गिल आज बॉलीवुड का भी फेमस नाम बन चुकी हैं. एक्ट्रेस इन दिनों एक पंजाबी फिल्म की शूटिंग में बिजी है. इसी बीच वो महाशिवरात्रि के मौके पर महाराष्ट्र के त्र्यंबकेश्वर मंदिर में पहुंची. जिसकी झलक उन्होंने फैंस के साथ भी शेयर की.

दरअसल शहनाज गिल अपने काम के साथ सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं. जहां वो हर अपने लाइफ की हर अपडेट फैंस के साथ शेयर करती हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने त्र्यंबकेश्वर मंदिर की दो त्सवीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की. इनमें एक्ट्रेस महादेव भी भक्ति में लीन नजर आई. शहनाज गिल इन तस्वीरों में मरून कलर के कुर्ते के

साथ बेज कलर की पेंट और मैचिंग दुपट्टा ओढ़े हुए नजर आ रही हैं. एक्ट्रेस सिर पर दुपट्टा लेकर मंदिर के बाहर हाथ जोड़कर कैमरा के लिए पोज कर रही हैं. तस्वीरें शेयर कर एक्ट्रेस ने लिखा कि, 'ॐ नमः शिवाय.' साथ ही उन्होंने एक त्रिशूल की इमोजी भी बनाई. शहनाज की इस पोस्ट पर उनके फैंस खूब प्यार लुटा रहे हैं. बता दें कि त्र्यंबकेश्वर मंदिर 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है. जो महाराष्ट्र के नासिक शहर से 28 किलोमीटर दूर त्र्यंबक शहर में स्थित है.

आदर जैन के टाइमपास वाले बयान के बाद तारा सुतारिया की मां ने लिखा क्रिप्टिक पोस्ट

मुम्बा. हॉलीवुड जगत से चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है कि मशहूर अभिनेता जीन हैकमैन का निधन हो गया है। उनके साथ ही उनकी पत्नी बेट्सी, न्यू मैक्सिको स्थित अपने घर में मृत पाए गए हैं। 95 वर्षीय एक्टर जीन हैकमैन और उनकी पत्नी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की खबर ने सभी को हैरान कर दिया है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

अमेरिकी एक्ट्रेस मिशेल ट्राचटेनबर्ग को लेकर खबर सामने आ रही है कि उनका 39 साल की उम्र में निधन हो गया है। न्यूयॉर्क पोस्ट ने सोर्स के हवाला से लिखा कि उन्हें बुधवार सुबह सेंट्रल पार्क साउथ पर स्थित एक लग्जरी अपार्टमेंट के वन कोलंबस प्लेस में पाया गया था। यह भी बताया गया कि हाल ही में उनका लिवर ट्रांसप्लांट हुआ था। पेज सिक्स ने कहा कि उनकी मौत को संदिग्ध नहीं माना जा रहा है। न्यूयॉर्क पोस्ट की मानें तो अभी तक एक्ट्रेस की मौत की वजह का खुलासा नहीं हो पाया है। मिशेल को Buffy the Vampire' Slayer और 'गॉसिप गर्ल' जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। वहीं, श्रुति हासन जल्द ही हॉलीवुड डेब्यू करने वाली हैं। वो ब्रिटिश साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म 'द आई' के जरिए इंटरनेशनल सिनेमा में डेब्यू करेंगी। साथ ही उनकी इस फिल्म को फिल्म फेस्टिवल के लिए भी चुना गया है। ये फिल्म फेस्टिवल हॉरर, साइंस-फिक्शन और फैंटेसी जॉनर की मूवीज को समर्पित है। इसे 27 फरवरी से 2 मार्च, 2025 तक आयोजित किया जाएगा। 'द आई' का निर्देशन डैफने श्मोन ने किया है।

भारत-पाकिस्तान की एशिया कप 2025 में टक्कर

तीन मुकाबले होने की संभावना

नई दिल्ली. भारत और पाकिस्तान के बीच चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का मुकाबला तो हो चुका है और उम्मीदों के मुताबिक जीत टीम इंडिया को ही मिली. मगर दोनों देशों के बीच इस साल क्रिकेट का एक्शन खत्म अभी बाकी है क्योंकि अगले कुछ महीनों के अंदर फिर से दोनों देशों की क्रिकेट टीमें आपस में टकराने वाली हैं. चैंपियंस ट्रॉफी के बाद अब इस साल एशिया कप का आयोजन होना है, जिसमें भारत और पाकिस्तान के बीच कम से कम 3 मुकाबले होने की उम्मीद है. पाकिस्तान में इन दिनों चैंपियंस ट्रॉफी खेली जा रही है और इसी के बीच एशिया कप 2025 को लेकर ये बड़ी खबर आई है. एशियन क्रिकेट काउंसिल के एक बैठक में टूर्नामेंट के लिए सितंबर की विंडो को मंजूर कर लिया गया है. रिपोर्ट में बताया गया है कि 8 टीमों वाले इस टूर्नामेंट का आयोजन सितंबर के दूसरे हफ्ते से चौथे हफ्ते के बीच खेला जाएगा. इसी दौरान टीम इंडिया और पाकिस्तान की टक्कर भी होगी.

3 बार हो सकती है भारत-पाकिस्तान की टक्कर

2026 में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप को देखते हुए इस बार का एशिया कप भी इसी फॉर्मेट में खेला जाएगा. इस दौरान सभी टीमों को 4-4 के दो ग्रुप में बांटा जाएगा और उम्मीद के मुताबिक भारत-पाकिस्तान एक ही साथ रहेंगे. ऐसे में भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप में तो एक बार टक्कर होगी ही. वहीं अगर दोनों टीमें अगले राउंड के लिए क्वालिफाई करती हैं तो सुपर-4 स्टेज में भी उन दोनों का आमना-सामना हो सकता है. यहां से पहले और दूसरे स्थान पर रहने वाली टीमों को फाइनल में जगह मिलेगी और अगर भारत-पाकिस्तान सुपर-4 में शीर्ष 2 स्थानों पर रहते हैं तो फाइनल में उनकी तीसरी बार टक्कर हो सकती है.

कहां होगा टूर्नामेंट का आयोजन?

इस टूर्नामेंट का एक अहम पहलू ये है कि इसका आयोजन किसी न्यूट्रल वेन्यू पर होगा. असल में इस बार एशिया कप की मेजबानी बीसीसीआई के पास है. ऐसे में ये टूर्नामेंट भारत में खेला जाना चाहिए लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे विवाद के कारण इसके न्यूट्रल वेन्यू पर खेले जाने को लेकर सहमति बनी है. हालांकि होस्टिंग राइट्स भारतीय बोर्ड के पास ही रहेंगे. इसी तरह अगली बार जब भी टूर्नामेंट की मेजबानी की बारी भारत या पाकिस्तान की होगी तो इसका आयोजन किसी तीसरे देश में होगा. एक बार फिर इसके लिए यूएई और श्रीलंका में से किसी एक को चुना जाएगा.

अफगानिस्तान की चमत्कारी जीत इंग्लैंड का सेमीफाइनल सपना टूटा

नई दिल्ली. अफगानिस्तान क्रिकेट टीम ने एक बार फिर से इंग्लैंड का वैसा ही हाल किया जो 2023 के वनडे वर्ल्ड कप में किया था. तब अफगानिस्तान ने इंग्लैंड को हरा दिया था और अब चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भी उसने इंग्लैंड को धूल चटा दी. इसी के साथ इंग्लैंड का इस टूर्नामेंट में सेमीफाइनल में जाने का सपना भी टूट गया. बेशक अफगानिस्तान की ये हालत इब्राहिम जादरान ने की जिन्होंने 177 रनों की पारी खेली थी लेकिन इंग्लैंड की हार में उसके ही एक पूर्व खिलाड़ी का भी हाथ रहा. यहां बात हो रही है जॉनथन ट्रॉट की. जॉनथन ने कभी टेस्ट सीरीज में फ्लॉप होने के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया था लेकिन उनकी कोचिंग में अफगानिस्तान की टीम अब वर्ल्ड क्रिकेट में झंडे गाड़ रही है.जॉनथन ट्रॉट का जन्म साउथ अफ्रीका में हुआ था लेकिन उन्होंने इंग्लैंड के लिए क्रिकेट खेला. ट्रॉट का टी-20 इंटरनेशनल में डेब्यू साल 2007 में हुआ था जबकि वनडे और टेस्ट में उन्होंने अपने कदम साल 2009 में रखे थे. जॉनथन इंग्लैंड के एक शानदार बल्लेबाज रहे हैं, लेकिन उनका क्रिकेट करियर सिर्फ आठ साल का रहा. उन्होंने साल 2015 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था. साल 2015 में वेस्ट इंडीज और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की सीरीज हुई थी जो 1-1 से ड्रॉ रही थी. इस सीरीज में जॉनथन बुरी तरह फ्लॉप रहे थे. उन्होंने 6 पारियों में सिर्फ 72 रन बनाए थे. इसके बाद ट्रॉट ने अपने इंटरनेशनल करियर पर ब्रेक लगा दिया था.

2022 में बने अफगानिस्तान के हेड कोच

साल 2022 में जॉनथन ट्रॉट को अफगानिस्तान जैसी कमजोर टीम का हेड कोच बनने का मौका मिला. उनकी कोचिंग में अफगानिस्तान की टीम ने एक नई कहानी लिख डाली. 52 टेस्ट मैचों में 3835 और 68 वनडे में 2819 रन बनाने वाले ट्रॉट ने अफगानिस्तान की बागडोर अपने हाथों में लेकर इस टीम की सूरत ही बदल डाली.

ट्रॉट की कोचिंग में ऐसे ढेर से शेर बनी अफगानिस्तान टीम

जुलाई 2022 में खबर आई कि जॉनथन अफगानिस्तान के हेड कोच बन चुके हैं, वहीं अक्टूबर-नवंबर 2023 में भारत में हुए वनडे वर्ल्ड कप में उनकी कोचिंग में अफगानिस्तान ने कमाल कर दिया. तब किसी ने कल्पता तक नहीं की होगी कि ये टीम बड़ी-बड़ी टीमों को धूल चटा सकती है. लेकिन ट्रॉट की कोचिंग का जादू ऐसा चला कि अफगान टीम ने वर्ल्ड कप में इंग्लैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका को हरा दिया था.

रोहित शर्मा की चोट से ऋषभ पंत को मौका मिलने की संभावना

नई दिल्ली. भारतीय टीम रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ मैदान पर उतरेगी. ये दोनों ही टीमें चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं. अब आखिरी ग्रुप मैच खेलेंगी. इस मैच के लिए भारत की प्लेइंग इलेवन में बड़ा बदलाव नजर आ सकता है. विकेटकीपर बैटर ऋषभ पंत को मैदान पर उतरने का मौका मिल सकता है. रोहित शर्मा या शुभमन गिल को ब्रेक दिया जा सकता है. टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा को लेकर अहम खबर सामने आयी है. रोहित की मांसपेशियों में खिंचाव है. वे चोट की वजह से परेशान हैं. रोहित इसी वजह से प्रैक्टिस के लिए भी नहीं पहुंचे थे. अगर रोहित फिट नहीं रहे तो उन्हें ब्रेक दिया जा सकता है. रोहित की गैरमौजूदगी में केएल राहुल ओपनिंग कर सकते हैं. ऐसे में ऋषभ पंत को विकेटकीपिंग का मौका मिल सकता है. टीम इंडिया स्पिनर कुलदीप यादव को ब्रेक दे सकती है. कुलदीप ने बांग्लादेश और पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेला था. उनकी जगह वरुण चक्रवर्ती को मैदान पर उतरने का मौका मिल सकता है. हर्षित राणा और रवींद्र जडेजा की जगह प्लेइंग इलेवन में लगभग तय है. मोहम्मद शमी को भी आराम दिया जा सकता है. उनकी जगह अर्शदीप सिंह को खेलने का मौका मिल सकता है. अक्षर पटेल और हार्दिक पांड्या की जगह भी लगभग तय है. श्रेयस अय्यर नंबर चार पर बैटिंग के लिए आ सकते हैं.

पाकिस्तान- बांगलादेश का मैच बारिश में रद्द, टूर्नामेंट से बाहर पाकिस्तान

रावलपिंडी. चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान और बांग्लादेश का आखिरी मैच बारिश के भेंट चढ़ गया है. रावलपिंडी में होने वाला इस मुकाबले को बारिश की वजह से रद्द करना पड़ा है. इसका मतलब है कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने इस टूर्नामेंट में जीतने का आखिरी मौका भी गंवा दिया है और बिना कोई मैच जीते बाहर हो गई है. 29 सालों के बाद उसे किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी का मौका मिला था. लेकिन महज 8 दिनों के भीतर उसका सफर शर्मनाक तरीके से समाप्त हो गया है. बता दें दोनों टीमें ग्रुप ए का हिस्सा थीं और पहले ही सेमीफाइनल के रेस से बाहर हो चुकी थीं. इस मैच का टूर्नामेंट पर कोई असर नहीं होगा.

बारिश ने छिना जीत का आखिरी मौका

रावलपिंडी में पाकिस्तान और बांग्लादेश के मैच से पहले ही बारिश शुरू हो गई थी. हालांकि, बाद में बारिश रुकी लेकिन मैदान गीला होने की वजह से टॉस को टालना पड़ा. वहीं पाकिस्तानी खिलाड़ी एक जीत की आस में मैच इंतजार करते रहे. हालांकि, बहुत कोशिशों के बावजूद भी इस दौरान मैदान को सुखाया नहीं जा सका.

इसलिए तय समय के करीब 2 घंटे के बाद भी मैच शुरू नहीं हुआ. इस बीच दोबारा बारिश ने दस्तक दे दी. इससे मैच की आखिरी उम्मीद भी खत्म हो गई. फिर अंपायरों ने मैच को रद्द करने का ऐलान कर दिया. इसका नतीजा ये हुआ कि पाकिस्तान के हाथ से जीत का आखिरी मौका भी छीन गया.

पाकिस्तान का शर्मनाक प्रदर्शन

मेजबान पाकिस्तान के लिए चैंपियंस ट्रॉफी 2025 किसी सदमे से कम नहीं था. 29 साल बाद देश में आईसीसी टूर्नामेंट का आयोजन होने के कारण फैंस के बीच काफी जोश था. वो मोहम्मद रिजवान की कप्तानी वाली टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे थे. लेकिन उनकी टीम के हर खिलाड़ी ने निराश किया. स्टार बल्लेबाज बाबर आजम एक सेंचुरी तक नहीं लगा सके. कप्तान रिजवान तो एक फिफ्टी तक नहीं जड़ सके.

इन दोनों के अलावा बाकी बल्लेबाजों ने भी काफी निराश किया. गेंदबाजों का तो और भी बुरा हाल रहा. हारिस रऊफ, नसीम शाह और शाहीन अफरीदी जैसे सभी स्टार पेसर्स को जमकर मार पड़ी. इसका नतीजा रहा कि पाकिस्तान की टीम न्यूजीलैंड और भारत से शर्मनाक तरीके से हारकर पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो गई. वहीं अब आखिरी मैच में बारिश की चपेट में आ गया.

अर्जुन तेंदुलकर की खराब गेंदबाजी, डीवाई पाटिल लीग में टीम की हार

मुंबई. आईपीएल 2025 के आगाज में अब एक महीना भी बाकी नहीं रह गया है और इसीलिए बड़े-बड़े घरेलू क्रिकेटर्स ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है. कई बड़े खिलाड़ी टी20 टूर्नामेंट्स खेल रहे हैं और कुछ ऐसा ही अर्जुन तेंदुलकर ने भी किया है. अर्जुन तेंदुलकर डीवाई पाटिल टी20 लीग में हिस्सा ले रहे हैं. वो डीवाई पाटिल ब्लू टीम का हिस्सा हैं और बुधवार को हुए मुकाबले में उनकी टीम को करारी शिकस्त मिली. अर्जुन तेंदुलकर का भी इस मुकाबले में खराब प्रदर्शन रहा. उन्हें 2 विकेट तो मिले लेकिन बाएं हाथ का ये तेज गेंदबाज 4 ओवर में 37 रन लुटा बैठा. अंत में उनकी टीम 28 रनों से मैच हार गई.अर्जुन तेंदुलकर ने इस मुकाबले में प्रसिद्ध कृष्णा के साथ ओपन बॉलिंग की. जिसमें उन्होंने 9 डॉट गेंद फेंकी लेकिन वो अपने 4 ओवर में 5 चौके और एक छक्का भी लगवा बैठे. उनका इकॉनमी रेट 9.25 रन प्रति ओवर रहा. वैसे उनके अलावा चिराग जानी, कार्श कोठारी और परीक्षित वलसांगकर की भी जमकर धुनाई हुई और यही वजह है कि बीपीसीएल टीम 20 ओवर नहीं खेल सकी लेकिन इसके बावजूद उसने 181 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा कर लिया. बीपीसीएल के लिए सबसे बेहतरीन प्रदर्शन मनीष पांडे ने किया. दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने सिर्फ 37 गेंदों में 73 रन बनाए. इस खिलाड़ी ने अपनी पारी में 7 छक्के और 3 चौके लगाए. पांडे का स्ट्राइक रेट 197.30 रहा. उनके अलावा अखिल हेरवाडकर ने 38 और एकनाथ केरकर ने 32 रन बनाए. जवाब में डीवाई पाटिल ब्लू की टीम फेल रही. यश ढुल 19 रन बना पाए. आयुष बढोनी 21 ही रन बना सके. अर्जुन तेंदुलकर को नंबर 4 पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया और वो 11 गेंदों में 5 रन बनाकर आउट हो गए. डीवाई पाटिल ब्लू टीम में सिर्फ नेहाल वढेरा ने अर्धशतक लगाया. वढेरा ने 37 गेंदों में नाबाद 57 रन बनाए.

आईपीएल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स के मेंटर बने केविन पीटरसन

नई दिल्ली. आईपीएल 2025 के लिए दिल्ली कैपिटल्स में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन को अपना मेंटर नियुक्त किया है. पीटरसन आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स समेत कई टीमों के लिए खेल भी चुके हैं. पीटरसन टीम के हेड कोच हेमंग बदानी, मैथ्यू मॉट (सहायक कोच), मुनाफ पटेल (गेंदबाजी कोच) और वेणुगोपाल राव (क्रिकेट निदेशक) के साथ टीम को मजबूत करने के लिए कार्य करेंगे. यह आईपीएल में केविन पीटरसन का पहला कोचिंग अनुभव होगा. उन्होंने वह 2016 में आखिरी बार लीग क्रिकेट खेले थे. उन्होंने सन 2009 से लेकर 2016 तक 3 आईपीएल फ्रेंचाइजियों के लिए खेला. इसमें दिल्ली कैपिटल्स (तब दिल्ली डेयरडेविल्स) भी शामिल है. आईपीएल में उन्होंने 17 मैचों में कप्तानी भी की थी. 2009 में पीटरसन ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए कप्तानी की. इसके बाद 2014 में उन्होंने पूरे सीज़न के दौरान डेयरडेविल्स की कप्तानी की थी. हालांकि टीम का प्रदर्शन खराब रहा था. उस सीजन दिल्ली 14 मैचों में दो जीत के साथ अंक तालिका में सबसे नीचे पायदान पर रही थी.

कैसा है केविन पीटरसन का क्रिकेट करियर

इंग्लिश टीम के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने 104 टेस्ट, 136 वनडे और 37 अंतर्राष्ट्रीय टी20 मुकाबले खेले हैं. इसमें उनके नाम क्रमश 8181, 4440 और 1176 रन हैं. इसी क्रम में उन्होंने 10, 7 और 1 विकेट भी हासिल किया है. आईपीएल के आलावा केविन पीटरसन ने बिग बैश लीग, पाकिस्तान सुपर लीग, कैरिबियन प्रीमियर लीग आदि में खेला है. लीग को मिलाकर बताएं तो केविन पीटरसन ने 200 टी20 मुकाबलों में 5695 रन बनाए हैं और 17 विकेट चटकाए हैं.

कौन होगा दिल्ली कैपिटल्स का कप्तान

आईपीएल ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने 14 करोड़ में केएल राहुल को खरीदा है. राहुल पूर्व में पंजाब और लखनऊ फ्रेंचाइजी की कप्तानी कर चुके हैं. ऐसे में उम्मीद लगाई जा रही है कि दिल्ली केएल राहुल को अपना कप्तान नियुक्त करेगी. हालांकि इस दौड़ में फ्रेंचाइजी के साथ पहले से मौजूद रहे अक्षर पटेल भी शामिल है. फाफ डुप्लेसिस भी इस टीम का हिस्सा हैं.

एमएस धोनी की चेन्नई में खास एंट्री, वायरल हुई मोर्स कोड टी-शर्ट

चेन्नई. आईपीएल के लिए चेन्नई सुपर किंग्स ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है और इसके लिए एक ट्रेनिंग कैंप लगा रही है. टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी इसमें हिस्सा लेने के लिए चेन्नई पहुंच चुके हैं. इस दौरान उनकी एंट्री ने सोशल मीडिया पर महफिल लूट ली है. वैसे तो एमएस धोनी आईपीएल मैच में जब भी बैटिंग के लिए मैदान पर एंट्री करते हैं, तब फैंस की शोर से पूरा स्टेडियम गूंज उठता है. लेकिन इस बार टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही उनकी एंट्री ने तहलका मचा दिया है. दरअसल, 22 मार्च से आईपीएल की शुरुआत होनी है. वहीं चेन्नई सुपर किंग्स की टीम अपना पहला मुकाबला 23 मार्च को खेलेगी, जिसमें धोनी कई महीनों के बाद खेलते हुए नजर आने वाले हैं. मुंबई इंडियंस के खिलाफ होने वाले इस मुकाबले के लिए उन्होंने अभी से तैयारी शुरू कर दी है. इसके लिए वो चेन्नई पहुंच चुके हैं, एयरपोर्ट पर उन्होंने मोर्स कोड वाले टी शर्ट पहने साउथ इंडियन हीरो के स्टाइल में एंट्री की है, जो जमकर वायरल हो रही है. आइये जानते हैं आखिर उनकी इस टी शर्ट और एंट्री में क्या खास है?

धोनी की धमाकेदार एंट्री की खासियत

आईपीएल का 18वां सीजन शुरू होने में अब करीब 3 हफ्ते का समय रह गया है. इससे पहले सीएसके एक प्रैक्टिस कैंप लगा रही है, जिसमें धोनी हिस्सा लेने के लिए चेन्नई पहुंचे हैं. जब वो एयरपोर्ट पर उतरे तो उनका स्वैग साउथ इंडियन हीरो तरह था. वायरल वीडियो में धोनी के चारों तरफ भारी सुरक्षा बल तैनात दिख रहे हैं. वहीं धोनी सबके बीच में ब्लैक चश्मा और ब्लैक टी शर्ट में स्माइल करते हुए चल रहे हैं, जो कई फिल्मों में हीरो की एंट्री पर देखने को मिलता है. उनकी एंट्री में सबसे खास बात ये रही कि उनकी टी शर्ट पर एक मोर्स कोड लिखा है, जिसने फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है. कई फैंस ने इसे डिकोड करने की कोशिश की और अनुमान लगाया कि धोनी आखिरी बार आईपीएल में नजर आ सकते हैं.

क्यों चर्चा में है धोनी का टी-शर्ट?

धोनी को चेन्नई पहुंचने से उनके फैंस में खुशी की लहर दौड़ गई है. वो एक बार फिर से अपने हीरो को खेलते हुए देख सकेंगे. लेकिन इस बार सिर्फ धोनी ही नहीं बल्कि उनकी काली टी शर्ट भी खूब सुर्खियां बटोर रही है. दरअसल, इस पर एक मोर्स कोड में एक मैसेज लिखा है. इस कोड का इस्तेमाल 19 और 20वीं सदी में गुप्त मैसेज भेजने के लिए किया जाता था, जिसे मिलिट्री में भी खूब प्रयोग किया जाता था.कुछ फैंस ने इसे डिकोड किया और दावा किया है कि इसमें अंग्रेजी में लिखा है- 'वन लास्ट टाइम' यानि एक आखिरी बार. इसके बाद से अब अंदाजा लगाया जा रहा है कि धोनी ने इशारों-इशारों में बता दिया है कि इस बार का आईपीएल सीजन उनके लिए आखिरी होगा. अब इसमें कितनी सच्चाई है, इसका पता तो सीजन पूरा होने के बाद ही चलेगा.

भारत बनाम न्यूजीलैंड: वनडे में कौन सी टीम रही है भारी

और किस बल्लेबाज ने मारे सबसे ज्यादा छक्के

नई दिल्ली. भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है. भारत के अलावा ग्रुप-ए से न्यूजीलैंड ने क्वॉलीफाई किया है. हालांकि, दोनों टीमें एक-दूसरे के खिलाफ अपना आखिरी ग्रुप स्टेज मैच खेलेगी. भारत और न्यूजीलैंड की टीमें 2 मार्च को आमने-सामने होंगी. बहरहाल, रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय टीम न्यूजीलैंड को हराकर अपना लय बरकरार रखना चाहेगी. वहीं, मिचेल सैंटनर की अगुवाई वाली न्यूजीलैंड टीम सेमीफाइनल से पहले जीत के सिलसिले को बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी, लेकिन क्या आप भारत-वनडे न्यूजीलैंड में किस टीम का पलड़ा भारी रहा है? साथ ही न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे फॉर्मेट में किस बल्लेबाज ने सबसे ज्यादा छक्के जड़े हैं.

वनडे फॉर्मेट में न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में विराट कोहली टॉप पर हैं. विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 31 वनडे मैचों में 95.69 की स्ट्राइक रेट और 58.75 की एवरेज से 1719 रन बनाए हैं.

न्यूजीलैंड के खिलाफ विराट कोहली ने 146 चौकों के अलावा 24 छक्के जड़े हैं. वहीं, विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे फॉर्मेट में बेस्ट स्कोर 154 रन नॉटआउट है. बहरहाल, इन आंकड़ों से साफ है कि अगर विराट कोहली का बल्ला चला तो कीवी टीम की मुश्किलें बढ़नी तय है.

भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे फॉर्मेट में किस टीम का पलड़ा है? दोनों टीमों के बीच हेड टू हेड रिकॉर्ड क्या है? दरअसल, आंकड़े बताते हैं कि वनडे फॉर्मेट में भारत और न्यूजीलैंड का 118 बार आमना-सामना हुआ है. जिसमें भारत ने न्यूजीलैंड को 60 बार हराया है. वहीं, भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड टीम को 50 मैचों में जीत मिली है. इसके अलावा भारत-न्यूजीलैंड के बीच 7 वनडे मैच बेनतीजा रहे हैं. जबकि दोनों टीमों के बीच 1 मैच टाई पर खत्म हुआ है.

विधानसभा के बाहर कांग्रेस विधायकों का धरना

> विधानसभा के बाहर मार्शल ने फोर्स तैनात की

जयपूर.

राजस्थान विधानसभा में इंदिरा गांधी पर हुई टिप्पणी को लेकर हंगामा जारी है। सोमवार (27 फरवरी) के दिन भी राजस्थान कांग्रेस के विधायक विधानसभा के बाहर धरने पर बैठ गए। इन विधायकों को सदन से निलंबित किया जा चुका है और वह सदन के अंदर नहीं जा सकते हैं। इन विधायकों को सदन के अंदर जाने से रोकने के लिए विधानसभा के बाहर मार्शल ने फोर्स तैनात की है। कांग्रेस विधायकों का कहना था कि अगर उन्हें अंदर नहीं जाने दिया गया तो वह विधानसभा के बाहर धरना देंगे और अब वह ऐसा ही कर रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्षी दल कांग्रेस के बीच गतिरोध को लेकर बुधवार को जुबानी जंग तेज हो गई। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने विपक्षी दल पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस पूरे प्रकरण में राजनीति कर रही है। वहीं, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि सरकार ने सदन में गतिरोध केवल इसलिए बना रखा है क्योंकि मंत्रियों का कार्य प्रदर्शन खराब है और वे सदन में विपक्ष के सवालों का जवाब नहीं दे पा रहे हैं।

अविनाश गहलोत की टिप्पणी पर बवाल : मंत्री अविनाश गहलोत ने शुक्रवार को प्रश्नकाल के दौरान कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास संबंधी एक प्रश्न का उत्तर देते समय विपक्ष की ओर इशारा करते हुए कहा था, ''2023-24 के बजट में भी आपने हर बार की तरह अपनी 'दादी' इंदिरा गांधी के नाम पर इस योजना का नाम रखा था।'' इस टिप्पणी के कारण सदन में भारी हंगामा हुआ था और सदन की कार्यवाही कई बार स्थगित करनी पड़ी। हंगामे के कारण प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, रामकेश मीणा, अमीन कागजी, जाकिर हुसैन, हाकम अली और संजय कुमार सहित छह कांग्रेस विधायकों को सदन से निलंबित कर

दिया गया था।

कांग्रेस विधायकों ने मंत्री से माफी मांगने और निलंबन रद्द करने की मांग करते हुए विधानसभा में धरना दिया था। बाद में विपक्षी कांग्रेस ने सदन की कार्यवाही का बहिष्कार कर दिया था। राठौड़ ने संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया कि कांग्रेस विधानसभा में हर दिन नया विवाद खड़ा करना चाहती है। उन्होंने कहा कि सदन में बजट प्रस्तुत होने के बाद कांग्रेस सदस्यों ने खासकर डोटासरा ने जो माहौल बनाया, उससे लोकतंत्र शर्मसार हुआ है।

राठौड़ ने विपक्षी दल पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस पूरे प्रकरण में राजनीति कर रही है।

डोटासरा पर लगाए आरोप : भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा और कैबिनेट मंत्री सुमित गोदारा भी मौजूद रहे। उन्होंने दावा किया कि डोटासरा नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली को भी बोलने का मौका नहीं देते हैं।

वहीं, जूली ने एक बयान में कहा कि उन्हें अंदेशा है कि सरकार इसी गतिरोध में बजट सत्र समाप्त करना चाहती है ताकि कोई चर्चा ना हो और सरकार की पोल जनता के सामने ना खुले।

जूली ने कहा कि गलत तथ्य बताए जा रहे है कि विपक्ष नहीं चाहता कि वार्ता हो जबकि वास्तविकता यह है कि विपक्ष से किसी ने बातचीत के लिए सम्पर्क नहीं किया।

उन्होंने कहा कि विपक्ष भी वार्ता कर सदन का गतिरोध दूर करना चाहता है ताकि आम जनता के मुद्दों पर चर्चा की जा सके।

मोहन सिंह बिष्ट बने दिल्ली विधानसभा के डिप्टी स्पीकर

नई दिल्ली

बीजेपी के वरिष्ठ नेता मोहन सिंह बिष्ट को दिल्ली विधानसभा का डिप्टी स्पीकर चुना गया है. मुस्तफाबाद से विधायक बिष्ट के नाम का प्रस्ताव मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रखा, जिसका मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने समर्थन किया. बहुमत के साथ मोहन सिंह बिष्ट डिप्टी स्पीकर चुने गए हैं. मोहन सिंह बिष्ट छह बार के विधायक हैं. इस बार पार्टी ने उन्हें मुस्तफाबाद सीट से उतारा और उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) के आदिल अहमद खान को 17 हजार से अधिक वोट से हराया था.

पांच बार करावल नगर सीट से चुने गए बिष्ट : इससे पहले वो करावल नगर से जीत दर्ज कर रहे थे. वह इस सीट से पहली बार 1998 में जीते थे और 2015 तक इस सीट से विधायक रहे. बिष्ट 2020 में फिर से करावल नगर सीट से जीते. 2015 के चुनाव में उन्हें कपिल मिश्रा के हाथों हार मिली थी. तब मिश्रा आप के टिकट पर चुनाव लड़े थे. बाद में वो बीजेपी में शामिल हो गए. पार्टी ने इसबार कपिल मिश्रा को करावल नगर से उम्मीदवार बनाया. उन्होंने यहां बड़े अंतर से जीत दर्ज की और रेखा गुप्ता की सरकार में मंत्री बने हैं. बीजेपी ने बिष्ट को मुस्तफाबाद से उम्मीदवार बनाया और वो जीते.

क्या होता है डिप्टी स्पीकर का काम?: दिल्ली विधानसभा में वरिष्ठ नेता विजेंद्र गुप्ता स्पीकर हैं. डिप्टी स्पीकर का पद विधानसभा की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने में अहम होता है. जब स्पीकर सदन में मौजूद नहीं होते हैं तो डिप्टी स्पीकर ही चेयर पर होते हैं और कार्यवाही संभालते हैं. इस पद का चुनाव बहुमत के आधार पर होता है. बीजेपी ने चुनाव में 70 में से 48 सीटों पर जीत दर्ज की है.

महाशिवरात्रि में लाउड-स्पीकर लगाने को लेकर विवाद

> कई घायल, कर्फ्यू लागू

हजारीबाग.

झारखंड के हजारीबाग जिले में बुधवार को महाशिवरात्रि के दौरान झंडे और लाउडस्पीकर लगाने को लेकर दो समूहों के बीच झड़प के बाद जिले के कुछ हिस्सों में निषेधाज्ञा लागू कर दी गयी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इचाक थाना क्षेत्र में महाशिवरात्रि के दौरान धार्मिक झंडे और लाउडस्पीकर लगाने को लेकर दो समूहों के सदस्यों के बीच झड़प में कई लोग घायल हो गए।

पुलिस अधिकारी ने कहा, ''बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है, जिसके तहत जुलूस निकालने, पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने, हथियार लेकर चलने आदि पर प्रतिबंध है।'' यह सब तब शुरू हुआ जब एक समूह ने दूसरे समूह

के सदस्यों द्वारा इचाक थाना क्षेत्र के डुमरांव गांव में एक स्कूल के सामने धार्मिक झंडे और लाउडस्पीकर लगाने पर आपत्ति जताई।

पुलिस ने बताया कि पहले दोनों समूह में बहस हुई जो हिंसा में बदल गई और दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर पथराव कर दिया। कई दोपहिया वाहनों को भी आग के हवाले कर दिया गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी पर्याप्त सुरक्षा बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और समूहों को तितर-बितर करने के लिए बल प्रयोग किया गया। पुलिस ने बताया कि स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, "कानून व्यवस्था नियंत्रण में है। हम लोगों से महाशिवरात्रि को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील करते हैं।"

रांची सांसद बोले- हिंसा के लिए बांग्लादेशी घुसपैठिए जिम्मेदार : घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए रक्षा राज्यमंत्री और रांची के सांसद संजय सेठ ने हिंसा के लिए बांग्लादेशी घुसपैठियों को जिम्मेदार ठहराया और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से उन्हें बाहर निकालने के लिए कड़े कदम उठाने का आग्रह किया।

उन्होंने आरोप लगाया, "चाहे होली हो, सरस्वती पूजा हो, रामनवमी हो या महाशिवरात्रि हो ऐसी घटनाएं केवल झारखंड में ही क्यों होती हैं? ऐसा इसलिए है क्योंकि बांग्लादेश से घुसपैठिए यहां सांप्रदायिक सद्भाव और कानून-व्यवस्था को नष्ट करने पर तुले हुए हैं और राज्य की जनसांख्यिकी को बदल रहे हैं।" उन्होंने कहा, "भाजपा-राजग शासित राज्यों में ऐसी घटनाएं बहुत कम होती हैं, चाहे वह दिल्ली हो, असम हो, मध्य प्रदेश हो, महाराष्ट्र हो या उत्तर प्रदेश हो, क्योंकि वहां घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें बाहर निकाल दिया जाता है।

सीतामढ़ी में अराजक तत्वों ने शिव-पार्वती की मूर्ति को किया क्षतिग्रस्त

सीतामढ़ी.

बिहार के सीतामढ़ी में अराजक तत्वों ने महाशिवरात्रि की रात सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश की. अराजक तत्वों ने एक मंदिर में शिव और पार्वती की मूर्तियों को क्षतिग्रस्त कर दिया. वहीं, मंदिर के समीप एक झोपड़ी में भी आग लगा दी. इसके चलते स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए. पुलिस ने मामले में सक्रियता दिखाते हुए लोगों को शांत कराया. स्थानीय लोगों ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है. घटना की सूचना पर डीएम रिची पांडेय और एसपी अमित रंजन भी मौके पर पहुंचे. पूरी घटना सीतामढ़ी जिले डुमरा थाना क्षेत्र के परमानंदपुर गांव की बताई जा रही है. बुधवार (26 फरवरी) की रात को कुछ अराजक तत्वों ने स्थानीय मंदिर में शिव, पार्वती, कार्तिकेय समेत अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियों को क्षतिग्रस्त कर दिया. आज (गुरुवार) सुबह लोगों को घटना की सूचना मिली. खबर मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई. देखते ही देखते सोशल मीडिया के माध्यम से घटना की खबर आग की तरह फैल गई. मौके पर पहुंचे सदर डीएसपी राम कृष्णा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने स्थिति को नियंत्रित किया.

मूर्तियों को क्षतिग्रस्त किया: बताया जा रहा है कि मंदिर में घुसे बदमाशों ने भगवान गणेश और भगवान कार्तिकेय की मूर्तियों को मंदिर से निकालकर बाहर फेंक दिया. कुछ मूर्तियों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया. सूचना मिलते ही डीएम रिची पांडेय और एसपी अमित रंजन भी मौके पर पहुंचे. दोनों वरीय पदाधिकारियों ने पुलिस को मामले की गहन जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया.

सदर डीएसपी ने बताया कि यह अराजक तत्वों की करतूत है. वरीय अधिकारियों के निर्देश पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है. एक ग्रामीण ने बताया कि यह कार्रवाई आतंकवादी तत्वों की है. उन्होंने इलाके में पुलिस चौकी खोले जाने की मांग की है.

बार मालिक पर पेट्रोल डालकर जिंदा जलाने की कोशिश

पुणे. महाराष्ट्र के पुणे से एक दिल दहलाने वाली बड़ी खबर सामने आई है। इसमें मामूली से अनबन को लेकर बार मालिक पर पेट्रोल डालकर उसे जिंदा जलाने की कोशिश की गई। जिसके बाद पीड़ित बार मालिक इस तरह की वारदात को अंजाम देने वाले लोगों के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया है।

गुंडागर्दी कर रहे युवकों ने की पिटाई: प्राप्त जानकारी के अनुसार, बीती रात पुणे के भारती विद्यापीठ इलाके में स्थित संजीवनी बार एंड रेस्टोरेंट बार के बाहर कुछ लोग गुंडागर्दी कर रहे थे तो इस हरकत को लेकर बार के मालिक ने उन्हें डांटा जिसके चलते इन लोगों ने बार के मालिक को जमकर पीटा। पिटाई के बाद पीड़ित को जिंदा जलाने की कोशिश की गई।

इस पिटाई के कुछ देर बाद जब घायल हुए बार मालिक को इलाज के लिए उनका एक मित्र स्कूटर पर अस्पताल ले जा रहा था तभी रोक कर इन बदमाश युवकों ने उनपर पेट्रोल डाल कर जिंदा जलाने की कोशिश की लेकिन इस दौरान पीड़ित और उनका मित्र दोनों अपनी जान बचाकर यहां से भागे। इस बीच उनकी स्कूटर इस आग में पूरी तरह जलकर खाका हो गई।

इस वारदात को लेकर होटल के मालिक ने पुणे के भारती विद्यापीठ पुलिस थाने में जाकर मारपीट और पेट्रोल डालकर जिंदा जलाने की कोशिश को लेकर शिकायत दर्ज की है। इस वारदात की सारी सच्चाई घटनास्थल पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो चुकी है। इसके आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

> महिलाओं के यौन शोषण,मानव तस्करी के लिए कुख्यात हुए 2 अमेरिकी भाई

रोमानिया से जागा रोमांस

बुखारेस्ट.

अमेरिका के 2 नागरिक जो आपस में भाई हैं, दोनों ने रोमानिया से रोमांस के बहाने महिलाओं का यौन शोषण करना शुरू कर दिया। खूबसूरत महिलाएं और लड़कियां उनके निशाने पर होतीं। पहले वह उनसे रोमांस रचाते फिर यौन शोषण करके किसी और नई लड़की व महिला की तलाश में जुट जाते। इस तरह दोनों भाइयों ने कई लड़कियों और महिलाओं का यौन शोषण किया। इसके बाद दोनों भाइयों ने मानव तस्करी भी शुरू कर दी। फिर दोनों अमेरिकी भाई पूरी दुनिया में यौन शोषण और मानव तस्करी के लिए कुख्यात हो गए। आइये अब आपको बताते हैं कि ये दोनों भाई हैं कौन?

रोमानिया में आपराधिक गिरोह संचालित करने वाले ये दोनों अमेरिकी भाई एंड्रयू और ट्रिस्टन टेट हैं। अभी तक रोमानिया ने इन्हें देश से बाहर जाने पर बैन लगा दिया था। मगर अब वह दोनों यात्रा प्रतिबंधों को हटाए जाने के रोमानिया छोड़कर अमेरिका चले गए। एक रोमानी अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इन भाइयों पर मानव तस्करी और महिलाओं का यौन शोषण करने के लिए आपराधिक गिरोह बनाने का आरोप है।

ट्रंप के कट्टर समर्थक हैं दोनों भाई

यह स्पष्ट नहीं है कि किन शर्तों के तहत टेट बंधुओं को रोमानिया छोड़ने की अनुमति दी गई जो राष्ट्रपति

डोनाल्ड ट्रंप के कट्टर समर्थक हैं। गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर कहा कि यह निर्णय अभियोजकों के विवेक पर निर्भर है। अमेरिका और ब्रिटेन की दोहरी नागरिकता रखने वाले 38 वर्षीय एंड्रयू टेट और 36 वर्षीय ट्रिस्टन टेट को 2022 के अंत में रोमानिया की राजधानी के पास दो रोमानियाई महिलाओं के साथ गिरफ्तार किया गया था। रोमानियाई अभियोजकों ने पिछले साल औपचारिक रूप से चारों पर आरोप लगाए थे।

अप्रैल में, बुखारेस्ट ट्रिब्यूनल ने फैसला सुनाया कि मुकदमा शुरू हो सकता है, लेकिन तारीख तय नहीं की। चारों ने सभी आरोपों से इनकार किया था।

धू-धूकर जल उठा सूरत का कपड़ा मार्केट

> सब कुछ खाक; 800 दुकानें कराई गईं बंद

सुरत.

गुजरात के सूरत में कपड़ा बाजार में 24 घंटे के भीतर दूसरी बार लगी आग काफी बढ़ गई जिससे मार्केट की पांचवीं मंजिल तक आग फैल गई। आग बुझाने के लिए मौके पर फायर ब्रिगेड की 50 से ज्यादा गाड़ियां लगाई गईं। आग सूरत के शिवशक्ति कपड़ा मार्केट में लगी है। मार्केट में करीब 800 दुकानें हैं और सभी कपड़े की हैं इसलिए आग बहुत तेजी से फैली और करीब-करीब पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया।

इतनी बड़ी आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। इसका वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि आग किस हद तक फैली हुई है। दमकल विभाग की टीम ने आग और फैलने से तो रोक लिया है लेकिन शिवशक्ति कपड़ा मार्केट को इस आग से काफी नुकसान पहुंचा है। चुनौती इस बात की थी क्योंकि जिस बिल्डिंग में आग लगी है वहां करीब 800 दुकाने हैं।

पूरे इलाके को खाली कराया: घटना के बाद सूरत के डीसीपी भागीरथ गढ़वी ने बताया कि दमकल विभाग की टीमों ने शिवशक्ति कपड़ा मार्केट में लगी आग को काबू कर लिया है। इस बीच किसी तरह की अनहोनी को रोकने के लिए पूरे इलाके की घेराबंदी

कर दी थी। पुलिस ने प्रभावित इलाके को खाली करा लिया गया था। उन्होंने बताया कि अभी तक साफ नहीं हो सका है कि इस आग में कितने का नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि शिवशक्ति मार्केट में टेक्सटाइल्स की 800 से अधिक दुकानें हैं। आसपास के बाजारों की दुकानें भी बंद करा दी गई हैं।

200 से अधिक दमकल कर्मियों ने बुझाई आग : सभी 800 दुकानों को बंद करा दिया गया है। इस मार्केट के अलावा आसपास की अन्य दुकानों को भी बंद कराया गया है। उधर, फायर ब्रिगेड के अधिकारियों ने बताया कि भीषण आग थी। इस आग को काबू करने के लिए दमकल की 50 से अधिक गाड़ियां लगाई गई थीं। इन सभी गाड़ियों ने चार से पांच चक्कर लगाए। वहीं आग को बुझाने के लिए करीब 200 दमकल कर्मियों को लगाया गया था। इन सभी कर्मचारियों ने अपनी जान पर खेल कर आग को काबू किया है।

डब्ल्यूटीसी बिल्डर, भूटानी ग्रुप के ऑफिस पर ईडी का छापा

नई दिल्ली.

प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार को बड़ा एक्शन लिया. जांच एजेंसी ने डब्ल्यूटीसी बिल्डर और भूटानी ग्रुप से जुड़े 12 ठिकानों पर छापेमारी की है. ये छापेमारी दिल्ली, नोएडा, फरीदाबाद और गुरुग्राम में हुई है.

बताया जा रहा है कि निवेशकों से धोखाधड़ी के मामले में ये एक्शन लिया गया है.बताया जा रहा है कि ईडी डब्ल्यूटीसी बिल्डर के दफ्तरों, इसके प्रमोटर आशीष भल्ला और भूटानी ग्रुप के 12 ठिकानों पर सर्च कर रही है. ये ठिकाने दिल्ली, नोएडा, फरीदाबाद और गुरुग्राम में हैं. डब्ल्यूटीसी ग्रुप के फरीदाबाद, नोएडा और आसपास के क्षेत्रों में कई प्रोजेक्ट्स चल रहे हैं. आरोप है कि ग्रुप ने निवेशकों से 1000 करोड़ रुपये से अधिक जुटाए हैं और पिछले 10-12 सालों से उन्हें प्रॉपर्टी नहीं दी. इस मामले में डब्ल्यूटीसी बिल्डर, आशीष भल्ला, भूटानी ग्रुप के खिलाफ फरीदाबाद पुलिस और ईओडब्ल्यू दिल्ली द्वारा कई एफआईआर दर्ज की गई हैं. इसी मामले में अब ईडी ने ये एक्शन लिया है.

फिलीपींस में से राख बनी 3 मंजिला इमारत, 8 लोगों की जलकर मौत

मनीला.

फिलीपींस की राजधानी मनीला क्षेत्र में एक 3 मंजिला इमारत भयानक आग लगने से खाम हो गई। बताया जा रहा है कि यह हादसा राजधानी क्षेत्र में बृहस्पतिवार तड़के हुआ। यहां आग लगने से तीन मंजिला एक आवासीय इमारत एक घंटे के अंदर जलकर खाक हो गई और इसमें आठ लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आग के कारण कम से कम एक व्यक्ति घायल हो गया। उन्होंने कहा कि ज्यादातर लकड़ी से बनी इमारत में आग आधी रात के बाद तब लगी जब लोग सो रहे थे। यह इमारत उपनगरीय क्वेजोन शहर के सैन इसिड्रो गलास गांव में स्थित थी। आग के कारणों का पता लगाने के लिए जांच चल रही है। वरिष्ठ अग्निशमन अधिकारी रोलांडो वालेना ने गवाहों का हवाला देते हुए 'एपी' को बताया कि मृतकों में से दो के शव भूतल पर पाए गए और छह अन्य के शव दूसरी मंजिल पर पाए गए जहां से संभवत: आग लगी थी।

1996 में हुआ था सबसे बड़ा अग्निकांड : यह आग फिलीपीन में मार्च में अग्नि-निवारण माह की शुरुआत से ठीक दो दिन पहले लगी है, जब सरकार चिलचिलाती गर्मी के मौसम की शुरुआत से पहले आग के खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक वार्षिक अभियान शुरू करती है। फिलीपीन में आग लगने की कई भीषण घटनाओं के लिए सुरक्षा नियमों को ठीक तरह से लागू नहीं करना, भीड़भाड़ और दोषपूर्ण भवन डिजाइन को जिम्मेदार ठहराया गया है। वर्ष 1996 में क्वेजोन शहर में एक डिस्को में लगी आग में 162 लोग मारे गए थे, जिनमें से ज्यादातर छात्र थे जो स्कूल के विदाई समारोह में जश्न मना रहे थे। वे भागने में असमर्थ थे क्योंकि आपातकालीन निकास बगल में एक नई इमारत के कारण अवरुद्ध था।

लाठी से मारते रहे पुलिसकर्मी ड्राइवर ट्रैक्टर ले भागा

मुरैना.

मध्य प्रदेश-राजस्थान बॉर्डर पर रेत माफिया के हौसले बुलंद हैं। बेखौफ रेत माफिया का एक वीडियो सामने आया है। जिसमें देखा जा रहा है कि राजस्थान पुलिस के एक दर्जन जवानों के बीच से रेत माफिया ट्रैक्टर ट्राली लेकर भागने में सफल रहा। वीडियो में दिख रहा है कि पुलिसकर्मी लाठी से रेत माफिया को पीट रहे हैं इसके बावजूद वह ट्रैक्टर नहीं रोकता। यह वीडियो मध्यप्रदेश-राजस्थान की सीमा पर धौलपुर के सागरपाडे का बताया जा रहा है।

रेत माफिया को रोकने में असफल रही पुलिस : जानकारी के अनुसार, बुधवार शाम चंबल नदी के प्रतिबंधित क्षेत्र से अवैध

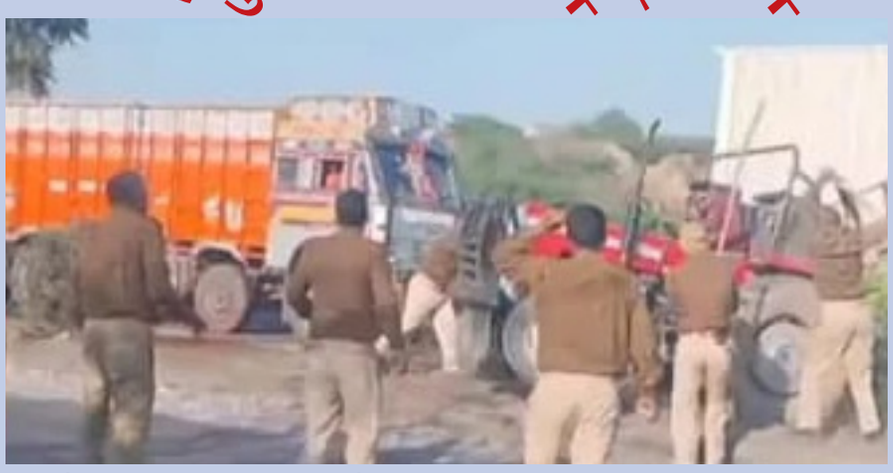

खनन हो रहा था। राजस्थान की धौलपुर पुलिस ने रेत माफिया को रोकने का प्रयास किया। पुलिस ने ट्रैक्टर चालक को जमकर लठ्ठ मारे। चालक अवैध रेत से भरी हुई ट्रॉली को ट्रैक्टर से लेकर मध्य प्रदेश की ओर भागा। राजस्थान पुलिस आरोपी को पकड़ने में असफल रही। इस घटनाक्रम के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर वाहनों का जाम लग गया था। एक राहगीर ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

पुलिस ने दर्ज किया मामला : वहीं राजस्थान पुलिस स्वयं को रेत माफिया से जान बचने को लेकर राहत राहत में दिखाई दी। क्योंकि रेत का अवैध खनन कर परिवहन करने वाले वाहनों से कई पुलिस अधिकारियों की जान चली गई है। दबी जुबान से लोगों का कहना है कि पुलिस ने चालक की पहचान कर ली है। इस मामले को लेकर राजस्थान धौलपुर की पुलिस ने ट्रैक्टर चालक के विरुद्ध आपराधिक मामला दर्ज नहीं किया है।वहीं धौलपुर राजस्थान के पुलिस अधिकारियों का दूरभाष पर कहना है कि यह मामला उनके संज्ञान में नहीं है। बहरहाल ट्रैक्टर चालक का दुस्साहस और पुलिस अपने कर्तव्य को पूर्ण करने के प्रयास में कोई कमी दिखाई नहीं दी। वीडियो में साफ तौर पर देखा जा रहा है कि ट्रैक्टर चालक अपने वाहन को बचाने के लिए संघर्ष कर रहा है।

वहीं पुलिस इस चालक को ट्रैक्टर की ड्राइविंग सीट से हटाकर पकड़ने का प्रयास कर रही है।

बीजेपी में शामिल होंगे अभिषेक बनर्जी?

कोलकाता.

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने गुरुवार (27 फरवरी 2025) को पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी के साथ मतभेद की खबरों को खारिज किया और उनके प्रति अपनी निष्ठा दोहराई. पार्टी के एक सम्मेलन में उन्होंने कहा, ''मैं तृणमूल कांग्रेस का एक निष्ठावान सिपाही हूं और मेरी नेता ममता बनर्जी हैं.बीजेपी में शामिल होने की अटकलों पर बोले अभिषेक बनर्जी भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में शामिल होने की अटकलों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा, ''जो लोग कह रहे हैं कि मैं बीजेपी में शामिल हो रहा हूं, वे झूठी अफवाहें फैला रहे हैं. अगर मेरा सिर भी कलम कर दिया जाए तब भी मैं ममता बनर्जी जिंदाबाद ही कहूंगा. इन दिनों जो भी खबरें आ रही हैं वो सरासर झूठ है. मैं

जानता हूं कि अगले साल विधानसभा चुनाव से पहले अपने निहित स्वार्थ के कारण कुछ लोग इस तरह की झूठी खबर फैला रहे हैं.''

'पार्टी के भीतर गद्दारों को बेनकाब करेंगे': पार्टी सदस्यों से आंतरिक संघर्षों के बजाय जनसेवा पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह करते हुए अभिषेक बनर्जी ने कहा, ''अपने मतभेदों को भूलकर लोगों के लिए काम करने पर ध्यान केंद्रित करें. साजिशों में शामिल होने का कोई मतलब नहीं है. व्हाट्सऐप ग्रुप की राजनीति में लिप्त लोगों को पता होना चाहिए कि इस तरह के प्रयास व्यर्थ होंगे. साजिश करने वालों पर इसका असर खुद पड़ेगा.'' उन्होंने कहा कि वह पार्टी के भीतर गद्दारों को बेनकाब करते रहेंगे, जैसा कि उन्होंने पिछले चुनावों के दौरान किया था.

मुकुल रॉय और शुभेंदु अधिकारी का किया जिक्र: टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने कहा, ''इससे पहले मैंने मुकुल रॉय और शुभेंदु अधिकारी जैसे पार्टी को धोखा देने वालों की पहचान की थी. मैंने उन्हें बेनकाब करने की जिम्मेदारी ली. आने वाले दिनों में मैं ऐसे लोगों की पहचान करता रहूंगा.'' उन्होंने पार्टी के भीतर अनुशासनहीनता के खिलाफ भी चेतावनी दी. उन्होंने कहा, ''कई नेता पार्टी के अनुशासन का पालन किए बिना मीडिया में प्रासंगिक बने रहने के लिए बयान देते हैं. पार्टी के नियमों की अवहेलना न करें. ऐसा करने वालों की पहचान पहले ही हो चुकी है.